तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 7 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-8 ■ वर्ष -42 ■ अंक-100 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 08 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

राम मंदिरः 75 बार दान चोरी, सीसीटीवी फुटेज डिलीट

अयोध्या,7 जुलाई। राम मंदिर में चढ़ावे और दान की चोरी के आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) की शुरुआती रिपोर्ट सामने आ गई है। नौ पन्नों की इस रिपोर्ट में मंदिर के भीतर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और कैश की गिनती में हुई गंभीर लापरवाहियों का कच्चा चिट्ठा खोला गया है। जांच टीम ने साफ कहा है कि अगर समय रहते नियमों का पालन किया गया होता, तो इस बड़ी चोरी को रोका जा सकता था। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोरी की कम से कम 70 वारदातें साफ पकड़ी गई हैं। आइए जानते हैं कि एसआईटी की जांच में मंदिर प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर क्या-क्या बड़ी खामियां सामने आई हैं।

अफसरों की लापरवाही और 'अपनों' पर अंधा भरोसा–एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नोटों की गिनती के काम में लगे कई कर्मचारियों और अधिकारियों ने सुरक्षा नियमों को ताक पर रख दिया।

मैनेजमेंट में लापरवाही, SIT की रिपोर्ट में खुले कई बड़े राज!

अफसरों की इसी ढिलाई की वजह से चोरों के हौसले बुलंद हुए। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि दान पेटियों की चाबियां और वहां आने-जाने का जिम्मा ऐसे लोगों को सौंप दिया गया था, जिनके पास कोई लिखित आदेश या अथॉरिटी नहीं थी। इनमें इस मामले का मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू भी शामिल है, जिसे पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी माना जाता है। रिपोर्ट में दान पेटी खोलने और गिनती के प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव को भी सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया गया है, जिन्होंने इस गैर-जिम्मेदाराना ढर्रे को आंख मूंदकर चलने दिया।

सीसीटीवी तो थे, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया–जांच टीम को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और उनके बैकअप को लेकर भारी कमियां मिली हैं। गिनती वाले कमरे में कैमरे तो लगे थे, लेकिन ट्रस्ट का कोई भी कर्मचारी लाइव फुटेज पर नजर नहीं रख रहा था। यही नहीं, नियमों के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज का 180 दिनों का बैकअप रखा जाना चाहिए था, लेकिन यहां सिर्फ 45 दिनों (27 अप्रैल से 6 जून) का ही रिकॉर्ड मिला। इसी डेढ़ महीने के फुटेज में जांच टीम को चोरी के 70 मामले मिले हैं। SIT का मानना है कि चोरी का यह खेल 27 अप्रैल से बहुत पहले से चल रहा था, लेकिन पुराना वीडियो रिकॉर्ड न होने के कारण यह पता लगाना नामुमकिन है कि कुल कितने की चोरी हुई है। कैमरे में साफ दिख रहा है कि कुछ कर्मचारी नोटों की गड्डियां और खुले पैसे अपने कपड़ों, जेबों और जूतों में छिपा रहे हैं, और कुछ दूसरे कर्मचारी उन्हें छुपाने में मदद कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि सितंबर 2024 में जो नियम बनाए गए थे, उनके तहत हर कर्मचारी की सख्त तलाशी होती थी। लेकिन 6 फरवरी 2025 को एक नई गाइडलाइन जारी करके इस सख्ती को ढीला कर दिया गया। नए नियम में कह दिया गया कि तलाशी सिर्फ कभी-कभार या शक होने पर ही होगी। SIT ने सवाल उठाया है कि आखिर ये नियम किसके कहने पर बदले गए? रिपोर्ट में पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा की भूमिका पर भी उंगली उठाई गई है, जो इन नियमों को बनाते समय ट्रस्ट की तरफ से शामिल थे.

गिनती का तरीका ही गलत था

चढ़ावा चाहे दान पेटी से आए, काउंटर से या सीधे गर्भगृह से- SIT को हर जगह घालमेल मिला। नियम यह था कि हर दान पेटी का पैसा अलग से गिना जाएगा और उसका रिकॉर्ड रखा जाएगा। लेकिन असलियत में, गिनती शुरू होने से पहले ही कई पेटियों का पैसा एक साथ मिला दिया जाता था। पैसे को लाने-ले जाने वाले बॉक्स पर कोई नंबर या ट्रैकिंग सिस्टम नहीं था। इससे यह जानना असंभव था कि कौन सा बॉक्स किस दिन, किस पेटी से आया और कितने बॉक्स की गिनती अभी बाकी है। एसआईटी ने साफ कहा है कि देश-विदेश से आने वाले इतने बड़े चढ़ावे के प्रबंधन में इस तरह का ढीला रवैया ऑडिट और पारदर्शिता के लिहाज से एक बहुत बड़ी और गंभीर चूक है।

13 जुलाई से मानसून सत्र, विधानसभा अध्यक्ष से मिले सीएम साय और नेता प्रतिपक्ष महंत

रायपुर,7 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से स्पीकर हाउस पहुंचकर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार, मुलाकात के दौरान आगामी विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों और सदन के सुचारु संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्पीकर हाउस से सीधे मंत्रालय के लिए रवाना हो गए। वहीं नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत भी स्पीकर हाउस पहुंचे और विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की। बैठक के बाद वे स्पीकर हाउस से बाहर निकल गए। इस मुलाकात को सत्र की रणनीति और सदन की कार्यवाही के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होगा। अब तक विधायकों की ओर से 1,033 प्रश्न लगाए जा चुके हैं। कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, नकटी भूमि विवाद, बिजली-पानी संकट, सड़क निर्माण और मानसून के दौरान व्यवस्थाओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। इन मुद्दों को लेकर सदन में तीखी बहस होने के आसार हैं। विधानसभा में प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं। रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विस्थापन और विधायक आवास के लिए प्रस्तावित भूमि से जुड़ा विवाद भी विधानसभा के मानसून सत्र में गूंज सकता है। कांग्रेस इसे सरकार की कार्यशैली और प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठाने का प्रमुख मुद्दा बनाएगी।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से संकल्प मिश्रा ने मुलाकात की

रायपुर/देहरादून, 7 जुलाई. छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित उत्तराखंड अध्ययन भ्रमण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के पत्रकारों एवं जनसंपर्क अधिकारियों के

मुख्यमंत्री ने भेंट के दौरान शाल ओढ़ाकर किया अभिनंदन, स्मृति-चिन्ह भेंट कर दी शुभकामनाएं

प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए उत्तराखंड की विकास यात्रा, सुशासन, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

अध्ययन भ्रमण दल में छत्तीसगढ़ के 20 पत्रकारों और 5 जनसंपर्क अधिकारियों ने भाग लिया। भ्रमण का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की जनसंपर्क व्यवस्था, विकास मॉडल, पर्यटन प्रबंधन, प्रशासनिक नवाचारों तथा प्रभावी सुशासन का अध्ययन कर अनुभवों का आदान-प्रदान करना था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड सरकार की विकास योजनाओं और जनहितकारी पहलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता समाज में जनजागरूकता बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा शासन और जनता के बीच मजबूत संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। मीडिया समाज और सरकार के बीच विश्वास का सशक्त सेतु है। इस अवसर पर दैनिक तरुण छत्तीसगढ़ के मैनेजिंग एडिटर संकल्प मिश्रा सहित सभी पत्रकारों एवं जनसंपर्क अधिकारियों का मुख्यमंत्री द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा उत्तराखंड की स्मृति स्वरूप आकर्षक स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद संकल्प मिश्रा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि दैनिक तरुण छत्तीसगढ़, उसके पाठकों और निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता से जुड़े प्रत्येक साथी का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भविष्य में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ पत्रकारिता करने की प्रेरणा देगा। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड में पर्यटन विकास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, डिजिटल प्रशासन तथा जनसंपर्क विभाग की कार्यप्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और राज्य में तेजी से हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। इस यात्रा से प्राप्त अनुभव छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, विकास योजनाओं के बेहतर प्रचार-प्रसार तथा सकारात्मक एवं जनोन्मुखी पत्रकारिता को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंबिकापुर में 13 साल तक छिपा रहा दोहरे हत्याकांड के आरोपी

अंबिकापुर,7 जुलाई। झारखंड के चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी और गैंग्स ऑफ वासेपुर से जुड़े गैंगस्टर शब्बीर आलम पिछले 13 वर्षों से अंबिकापुर में फर्जी पहचान के सहारे रह रहा था। इस दौरान उसने न केवल शहर में आलीशान मकान बनाया, बल्कि बस और एम्बुलेंस संचालन समेत कई कारोबार में साझेदारी कर अपना मजबूत नेटवर्क भी खड़ा कर लिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब 3 जुलाई को झारखंड के धनबाद से पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने अंबिकापुर पहुंची। पुलिस ने रिंग रोड स्थित मोनीनपुरा

इलाके में दबिश दी, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध और अफरा-तफरी का फायदा उठाकर शब्बीर आलम और उसका साथी फरार हो गए। तब से दोनों की तलाश जारी है।

जांच में सामने आया है कि वर्ष 2013 में पुलिस कस्टडी से फरार होने के बाद शब्बीर आलम अपने सहयोगी जावेद खान के साथ अंबिकापुर के मोनीनपुरा इलाके में रह रहा था। इतने वर्षों तक उसने अपनी असली पहचान छिपाकर स्थानीय स्तर पर कारोबार फैलाया और सामाजिक रूप से भी सक्रिय बना रहा। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि स्थानीय बस संचालक वैदुल खान ने न केवल आरोपी को पनाह दी, बल्कि उसके साथ साझेदारी में व्यवसाय भी संचालित किया। दोनों मिलकर दो बसों, करीब 40 एम्बुलेंस और सिलाई दुकान का कारोबार चला रहे थे। इसी दौरान शब्बीर आलम ने शहर में एक आलीशान मकान भी बनवा लिया। पुलिस अब उन सभी लोगों की पहचान कर रही है, जिन्होंने वर्षों तक आरोपी को संरक्षण दिया या उसके कारोबार में सहयोग किया। मामले में बस संचालक और उसके सहयोगियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है।

चलती बस में आया नन्हा मेहमान

कोरबा,7 जुलाई। छत्तीसगढ़ में कोरबा से पटना जा रही यात्री बस में सफर के दौरान महिला के प्रसव का अनोखा मामला सामने आया है. यात्रियों की मदद से गर्भवती महिला ने रास्ते में ही स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया. दोनों को बलरामपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. फिलहाल दोनों का स्वास्थ्य अच्छा है. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की रात जोरदार बारिश के बीच राजहसन बस कोरबा से पटना जा रही थी. गर्भवती महिला अपने पति के साथ बस में सफर कर रही थी. रात करीब 11 बजे अंबिकापुर पार करने के बाद गर्भवती महिला को तेज प्रसव पीड़ा हुई. स्थिति को देखते हुए चालक ने बस को सड़क किनारे रोक दिया. इसके बाद बस में सवार महिला यात्री सुनती देवी समेत अन्य महिलाओं ने प्रसूता की मदद की और सुरक्षित प्रसव कराया. प्रसव के बाद बस

बलरामपुर पहुंची, जहां करीब आधे घंटे बाद महिला और नवजात को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल में दोनों का उपचार जारी है. चिकित्सकों के अनुसार, मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं.

उफनते नाले में गिरी बिजली विभाग की पिकअप 3 कर्मचारियों ने तैरकर बचाई जान, एक लापता

बलौदाबाजार,7जुलाई। बलौदाबाजार जिले में लगातार बारिश के बीच सोमवार को बड़ा हादसा हो गया. अचानकपुर क्षेत्र में बिजली सुधार कार्य के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी पिकअप में सवार होकर जा रहे थे. इसी दौरान उन्होंने जब उफनते नाले को पार करने की कोशिश की तो वह तेज बहाव की चपेट में आ गए. जानकारी के मुताबिक, घटना करीब रात 2 बजे की है. तीन कर्मचारियों ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन एक कर्मी लापता हो गया. घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है. खोरसी नाला के पुल को पार करते समय तेज बहाव के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण

नहीं रख सका. पिकअप पुल से करीब 800 मीटर दूर तक बह गया. वाहन में मौजूद तीन कर्मचारी ने तैरकर अपनी जान बचा ली. एक कर्मचारी के वाहन में फंसे होने या बह जाने की आशंका जताई जा रही है.

भूपेश बघेल की बैठक से चन्नी नदारद,पंजाब कांग्रेस में अंदरुनी कलह

चंडीगढ़,7 जुलाई।पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह और बढ़ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी और उनके समर्थक पार्टी अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। कांग्रेस के राज्य मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल मंगलवार को लगातार दूसरे दिन वरिष्ठ नेताओं के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग करने वाले हैं। मंगलवार को एआईसीसी के राज्य प्रभारी भूपेश बघेल द्वारा बुलाई गई पंजाब कांग्रेस की एक अहम बैठक में जालंधर के सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी शामिल नहीं हुए, जिससे राज्य इकाई के भीतर बढ़ती दरार का संकेत मिलता है। सुखजिंदर सिंह रंधावा भी बैठक में मौजूद नहीं थे।इससे पहले सोमवार को बघेल ने चुनाव समिति के चेयरमैन अमर सिंह, विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और उनसे फीडबैक लिया। चन्नी और उनके समर्थकों ने इस बैठक से दूरी बनाए रखी, जिससे सीनियर नेताओं के बीच अंदरूनी नाराजगी सामने आई। पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर राजा वडिंग ने उनकी गैर-मौजूदगी को ज़्यादा अहमियत नहीं दी। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने पीपीसीसी बैठक के चेयरमैन को सूचित कर दिया था कि वे शहर से बाहर हैं और कुछ दिनों बाद उपलब्ध होंगे। खबरों के अनुसार, चन्नी और उनके वफादार समर्थकों का एक समूह पार्टी के राज्य नेतृत्व में हाल ही में हुए बदलावों के बारे में शिकायत करने दिल्ली गया था। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब पार्टी 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर रही है। कांग्रेस ने वारिंग को पंजाब राज्य इकाई का प्रमुख और प्रताप सिंह बाजवा को पंजाब विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाए रखा है।

दिल्ली जैसा प्रदूषण नहीं चाहिए : हाईकोर्ट

बिलासपुर,7 जुलाई। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में फैसला देते हुए राज्य सरकार के उस निर्णय को सही माना है, जिसमें अधिसूचित

जंगलों के 10 किलोमीटर के दायरे में आरा मिलों पर रोक बरकरार

जंगलों या संरक्षित क्षेत्रों से हवाई दूरी के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी क्षेत्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया था. कोर्ट के इस निर्णय के बाद अब इस क्षेत्र में सभी आरा मिलें बंद रहेंगी. कोर्ट ने इस संबंध में दायर कुल 19 याचिकाओं को खारिज कर दिया है. कोर्ट ने कहा है कि हमें दिल्ली जैसा प्रदूषण नहीं चाहिए. कोर्ट ने 10 किलोमीटर के दायरे में बफर जोन के शासन के निर्णय को उचित ठहराया है. बता दें, कि राज्य सरकार ने 25 सितंबर 2025 को एक अधिसूचना जारी कर छत्तीसगढ़ काष्ठ चिरान अधिनियम,1984 की धारा 5(1) का उपयोग करते हुए जंगली क्षेत्र के आसपास 10 किमी के दायरे को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया था. इस अधिसूचना के प्रभावी होने के बाद वन विभाग ने इस दायरे में आने वाली सभी आरा मिलों को बंद करने और उनके लाइसेंस नवीनीकरण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे, इस आदेश के खिलाफ कई आरा मिल संचालकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था.

मेरे नाम पर झूठ फैलाया जा रहाः सूर्यकुमार

मुंबई,7 जुलाई. वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू किया। पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा सनसनी के लिए एक खास मैसेज लिखा है। उन्होंने साथ ही फेक बयान पर चुप्पी तोड़ी।सूर्यकुमार यादव अब भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी अगुवाई में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीता था। सूर्यकुमार को हटाए जाने के बाद श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी गई। सूर्या भले ही भारत के टी20 सेटअप में नहीं लेकिन उनका दिल अब भी टीम के लिए धड़कता है। वह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहे फेक बयानों से खुश नहीं हैं और उन्होंने लोगों से मनगढ़ंत बातों पर यकीन नहीं करने की गुजारिश की है। सूर्या ने कहा कि उनके नाम पर झूठे बयान फैलाए जा रहे हैं। पूर्व कप्तान ने साथ ही युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के लिए एक स्पेशल मैसेज लिखा। 15 साल वैभव ने हाल ही में इंडिया डेब्यू करते ही इतिहास रचा। वह भारत की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले प्लेयर हैं।

वैभव सूर्यवंशी के लिए लिखा स्पेशल मैसेज

भारतीय टीम फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर है। श्रेयस के कप्तानी संभालने के बाद से भारत ने चार मैचों से एक भी नहीं जीता है। आयरलैंड में दो मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ हुआ। सूर्यकुमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान में कहा, "मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं और हमेशा उनके बेहतरीन प्रदर्शन की कामना करता हूं। मुझे पता है कि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, और उन्हें हमेशा मेरा पूरा सपोर्ट मिलता रहेगा।" उन्होंने युवा सनसनी के लिए लिखा, "वैभव के लिए एक खास संदेश – तुम अपने करियर के एक बहुत ही रोमांचक सफर की शुरुआत कर रहे हो। हर पल का आनंद लो और देश को गर्व महसूस कराते रहो।" पूर्व कप्तान ने आखिर में कहा, "मैंने देखा कि ऑनलाइन एक बयान मेरे नाम से शेयर किया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत है।

बाघ शिकार-तस्करी मामले में बड़ा खुलासा इंद्रावती टाइगर रिजर्व का चौकीदार गिरफ्तार

बीजापुर 7 जुलाई तरुण छत्तीसगढ़

इंद्रावती टाइगर रिजर्व (आईटीआर) क्षेत्र में बाघों के शिकार और खाल तस्करी के मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की संयुक्त कार्रवाई में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल हैं, जबकि आईटीआर का एक चौकीदार भी इस मामले में गिरफ्तार हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क अबूझमाड़ से महाराष्ट्र सीमा तक सक्रिय था। वन विभाग इस अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह के सभी लिंक खंगाल रहा है और मामले में 5 बाघों की खाल की तलाश जारी है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप संचालक संदीप बलगा ने बताया कि तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की

उप संचालक इंद्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बलगा

टीमों द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया है। 7 आरोपियों को ज्यूडिशियरी रिमांड पर भेजा गया है। अब तक तीन बाघों की खाल बरामद की जा चुकी है। साथ ही वन विभाग और सुरक्षा एजेंसियां ग्रामीणों के सहयोग से अन्य आरोपियों और पूरे तस्करी नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई हैं। अभी पूरा खुलासा करना संभव नहीं है जांच जारी है। जिले में इस कार्रवाई को वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद मामले में और भी अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : आयुक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। लगातार दो दिनों की भारी बारिश के बाद शहर में जलभराव की स्थिति को देखते हुए राजीव कुमार पाण्डेय ने सोमवार को जोन-01 नेहरू नगर के कई संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने राधिका स्थित नगर कोसा नाला, दीक्षित कॉलोनी, गांधी नगर, एम.जे. कॉलेज जुनवानी रोड, इंदु आईटी नाला तथा शांति नगर सहित कई जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर जाकर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नालों और नालियों में पानी का स्तर बढ़ने, पुलों पर कचरा फंसने तथा निचली बस्तियों में पानी भरने की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। बारिश के कारण नाले और नालियां पूरी तरह भर जाने से कई स्थानों पर पानी सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले सभी क्षेत्रों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए और जहां भी अवरोध हो, उसे तत्काल हटाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आयुक्त के निर्देश पर निगम के सभी जोनों के अधिकारी और कर्मचारी जलभराव वाले इलाकों में लगातार सक्रिय हैं। नालों की सफाई, कचरा हटाने और जल निकासी को सुचारू बनाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। निगम प्रशासन का दावा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें तैयार हैं। भारी बारिश के साथ चली तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ सड़कों पर गिर गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। निगम की टीमों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पेड़ों की कटाई और हटाने का कार्य शुरू कर दिया है। प्रभावित मार्गों पर आवागमन को फिर से सुचारू बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलभराव, पेड़ गिरने या अन्य आपदा संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण कर नागरिकों को राहत पहुंचाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त दिनेश कोसरिया, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, शंकर साहनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

बिन संस्कार नहीं सहकार बिन सहकार नहीं उद्धार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 7 जुलाई। दिनांक 29.6.2026 से दिनांक 06. 7. 2026 तक सहकारिता पर्व के तत्वाधान में वृहताकार सहकारी समिति मर्या. उतई 101 में सहकारिता कार्यक्रम कृषक सदस्यों की उपस्थिति में मनाया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत माता व कृषक देव भगवान बलराम के तेल चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर पूजा पश्यात सहकारिता ध्वज का रोहन किया गया कार्यक्रम में मुख्य रुप से प्राधिकृत फतेलाल वर्मा धनय्याम चंद्राकर पूर्व अध्यक्ष रुप नारायण शर्मा प्रबंधक गिरधर सोनी कृषक गण व संस्था में कार्यरत कर्मचारी उपस्थित थे कार्यक्रम में उपविधि का वाचन कर सदस्यों को सहकारिता के विषय पर चर्चा कर बताया गया कर्यक्रम मे सभी कृषक सदस्यों का सम्मान किया गया

एक नजर

गांजा बेचने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 7 जुलाई (तछसं.)। भिलाई कुम्हारी प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि कुकदा रोड कुम्हारी स्थित सार्थक होम के सामने बिजली ट्रांसफार्मर के पास दो व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार करने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल रेड कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उन्होंने गांजा दुर्ग के इंदिरा कॉलोनी पोटिया रोड निवासी टिकनु नायक से खरीदा था, जो घटना के बाद से फरार था। प्राप्त सूचना के आधार पर सोमवार को फरार आरोपी टिकनु नायक (48 साल) निवासी इंदिरा कॉलोनी, पोटिया रोड दुर्ग को गिरफ्तार किया गया।

देशी शराब ले जाता युवक गिरफ्तार

भिलाई, 7 जुलाई (तछसं.)। भिलाई जामुल टीआई रामेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खेरधा निवासी एक व्यक्ति प्लास्टिक की बोरी में अवैध रूप से देशी शराब लेकर बिक्री हेतु जा रहा है। सूचना पर थाना जामुल पुलिस मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की पुलिस को देखकर संदेही भागने का प्रयास करने लगा उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ में उसने अपना नाम उमेश कुमार देशलहरे (36 साल) निवासी सतनामी पारा, ग्राम खेरधा, थाना जामुल, जिला दुर्ग बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 32 पौवा देशी शोले मसाला शराब (कुल 5.7 बल्क लीटर) कीमत 3,200 बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

बुजुर्ग दंपत्ति को लूटने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 7 जुलाई (तछसं.)। भिलाई घर में घुसकर बुजुर्ग दंपती को धारदार हथियार दिखाकर सोने का नेकलेस एवं नगदी लूटने वाले आरोपी को नेवई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है नेवई टीआई अनिल साहू ने बताया कि प्रार्थी वी. कुमार (59 साल) निवासी शुभकामना हाइट्स प्रगति नगर रिसाली ने थाना नेवई में रिपोर्ट दर्ज करायी कि 4 जुलाई को वह प्लांट ड्यूटी पर गया हुआ था इसी दौरान घर में कार्य करने वाली गिरजा यादव ने फोन कर सूचना दी कि फ्लैट क्रमांक-109 स्थित उसके सास-ससुर के घर में एक अज्ञात व्यक्ति चेहरे पर कपड़ा बांधकर घर के भीतर घुस गया तथा बुजुर्ग दंपती को धारदार हथियार दिखाकर डरा-धमकाते हुए सोने-चांदी एवं नगदी की मांग की तथा सोने का नेकलेस लेकर फरार हो गया। रिपोर्ट पर थाना नेवई में धारा 308 (2), 351 (3), 333, 127 (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, प्रार्थी एवं गवाहों के कथन तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर विभान्शु महोबिया (21 साल) निवासी मंडला (म.प्र.), हाल पता हॉस्पिटल सेक्टर को गिरफ्तार किया गया आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, धारदार हथियार तथा घटना के समय पहने गए कपड़े जब्त किया गया।

एसआईओ मिला नकटी गांव के प्रभावितों से,दिखाई एकजुटता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। भारतीय मुस्लिम युवा छात्रों के संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ इंडिया (एसआईओ) छत्तीसगढ़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर के नकटी गांव का दौरा किया, जहां हाल ही में घरों को तोड़े जाने से स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस मुश्किल समय में एसआईओ ने प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता दिखाई और नकटी गांव के लोगों के प्रति अपना पूरा समर्थन दिया।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने गाँव के सरपंच बिहारी यादव से मुलाकात की, जिसमें ध्वस्तीकरण के मुद्दे पर चर्चा की गई, जमीनी हकीकत को समझा गया और संभावित व न्यायसंगत समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष अनस खान, मो. जुलक़रनैन, हिद्रिस खान और यूसुफ शामिल थे।

कवर्धा पट्टा सर्वे शिविर में 213 हितग्राहियों ने कराया पंजीकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 7 जुलाई। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद कवर्धा के संयुक्त तत्वाधान में आवासहीन परिवारों को पट्टा प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज पंजीकरण किये जाने हेतु वीर सावरकर भवन एवं ठाकुर पारा स्थित सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में पहुंचकर 213 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन कराया। सभी हितग्राहियों को शासन द्वारा चाही गई आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत करने को कहा एवं 9 जुलाई से डोर-टू-डोर जाकर लोगों के दस्तावेज का सत्यापन कर शासन की योजना का लाभ दिलाया जायेगा।

नगर पालिका क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार नियम, 2023 के तहत पात्र परिवारों को शासकीय भूमि का निःशुल्क पट्टा 30 वर्षों के लिए प्रदान किया जाना है। आवासहीन एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य यह शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में लोगों ने बढ़चढकर हिस्सा लिया। 9 जुलाई से 10 अगस्त तक नगर पालिका क्षेत्र में प्रस्तावित पट्टा सर्वे अभियान में सर्वे कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराया जायेगा। शासन की मंशा के अनुरूप पात्र एवं आवासहीन परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तीन स्थानों पर लगेगें शिविर-पट्टा सर्वे हेतु दिनांक 07 एवं 08 जुलाई को वीर सावरकर भवन कवर्धा में, पीजी कॉलेज डोम परिसर, ठाकुर पारा भवन में लगाए जाएंगे। शिविरों में नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे, आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण होगा तथा पट्टा सर्वे एवं नियमितीकरण संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविरों के समापन बाद 9 जुलाई 2026 से गठित सर्वे दल प्राथमिकता के आधार पर नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में घर-घर जाकर सर्वे कार्य प्रारंभ करेंगे। सर्वे दल निर्धारित प्रारूप में जानकारी संकलित करेंगे, उसका भौतिक सत्यापन करेंगे तथा पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार करेंगे। निर्धारित समय-सीमा 10 अगस्त 2026 से पूर्व संपूर्ण सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ प्रदान किया जा सके।

महापौर परिषद की बैठक में विकास और स्वच्छता से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। नगर निगम महापौर परिषद बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय सहित परिषद के सदस्यों ने शहर के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की। अधिकांश प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान करते हुए उनके क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया। बैठक में वार्ड क्रमांक 69 एवं 70 हुड़को क्षेत्र में सीवरेज पाइप लाइन के नवीनीकरण कार्य को मंजूरी दी गई। इसके अलावा जोन-3 संतोषी पारा स्थित डॉ. बी.आर. आंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन को दो माह के लिए संचालन, प्रबंधन एवं संधारण हेतु दिए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। साथ ही भवन को 10 माह के लिए किराये पर संचालन एवं रखरखाव के लिए दिए जाने की नियम एवं शर्तों को भी स्वीकृति मिली। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आकस्मिक सफाई व्यवस्था के लिए 50 कामगार उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी परिषद ने हरी झंडी दी। वहीं वार्ड क्रमांक 70 में नवनिर्मित मंगल भवन परिसर में गार्डन सौंदर्यीकरण और पार्किंग निर्माण कार्य को भी मंजूरी प्रदान की गई। गोकुलधाम कुरूद में पशुपालकों को आवंटित भूखंडों की शेष प्रीमियम राशि एवं भू-भाटक जमा कराने संबंधी प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। बैठक के अंत में महापौर परिषद ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत प्रस्तावों के क्रियान्वयन से शहर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों को बेहतर शहरी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

स्व. बीरा सिंह की जयंती पर बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। स्वर्गीय सेठ बीरा सिंह की 69वीं जयंती के अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के नेतृत्व में आर्य नगर, कोहका में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर माताओं एवं बहनों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन इंद्रजीत सिंह छोटू की माताजी श्रीमती कुलवंत कौर द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एवं समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। नव स्थापित केंद्र के माध्यम से महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई, दोना-पत्तल निर्माण, झाड़ू निर्माण, रुई-बाती एवं दीया निर्माण, अगरबत्ती निर्माण सहित विभिन्न स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं के कौशल का विकास कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे वे अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ समाज में सम्मानजनक पहचान भी स्थापित कर सकें। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्व. बीरा सिंह का संपूर्ण जीवन सेवा, समर्पण और समाज कल्याण के आदर्शों से प्रेरित रहा। उन्होंने सदैव समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए यह केंद्र समाज में आत्मनिर्भरता और रोजगार के अवसर बढ़ाने का सार्थक प्रयास है। आयोजक इंद्रजीत सिंह छोटू ने बताया कि यह पहल विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वावलंबन की ओर अग्रसर करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। केंद्र के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक कौशल विकास और सम्मानजनक आजीविका के अवसर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

भाजयुमो अमलेश्वर मंडल ने लिया सांसद विजय बघेल से आशीर्वाद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 7 जुलाई। सांसद विजय बघेल से भाजयुमो अमलेश्वर मंडल की नवीन कार्यकारिणी ने लिया आशीर्वाद, 8 जुलाई के परिचयात्मक कार्यक्रम का दिया आमंत्रणभाजपा युवा मोर्चा, अमलेश्वर मंडल की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा उपरांत मंडल अध्यक्ष रवि सिंगौर के नेतृत्व में मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दुर्ग के लोकप्रिय सांसद श्री विजय बघेल से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया तथा दिनांक 08 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले भाजपा युवा मोर्चा अमलेश्वर मंडल स्तरीय परिचयात्मक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया गया। सांसद श्री बघेल ने युवा मोर्चा की नवीन टीम को शुभकामनाएँ देते हुए संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

उक्त अवसर पर महामंत्री श्री कुमार साहू, श्री मनीष कौशले, उपाध्यक्ष श्री रविकांत कौशिक, श्री खेमचंद जोशी, श्री तुलेश सिंगौर, मंत्री श्री मोहन लोधी (सरपंच, ग्राम पंचायत मोतीपुर), श्री राकेश सोनकर, कोषाध्यक्ष श्री रोशन सिंगौर, कार्यकारिणी सदस्य एवं बूथ कार्यकर्ता श्री जयकरन सिंगौर, श्री शुभम जांगड़े, श्री बिट्टू यादव, श्री मुकेश सिंगौर, श्री जागेश्वर सिंगौर, श्री लवकुश सिंगौर, श्री देवेंद्र यदु तथा श्री नरेंद्र साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।भाजपा युवा मोर्चा, अमलेश्वर मंडल द्वारा आयोजित यह परिचयात्मक कार्यक्रम संगठनात्मक समन्वय, कार्ययोजना एवं युवा कार्यकर्ताओं के मध्य पारस्परिक परिचय एवं संवाद स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। मंडल के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में समयानुसार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

लाखों की ठगी,जुर्म दर्ज

भिलाई, 7 जुलाई (तछसं.)। भिलाई कूटरचित दस्तावेज तैयार कर शासकीय रकबा से अधिक रकबा को कूटरचित व फर्जी तरीके से क्रेताओं को जमीन बिक्री कर लाखों रुपए की ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ प्रार्थी ने शिकायत दर्ज कराई है प्रार्थी की शिकायत पर अमलेश्वर थाने पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2) 3 (5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी अहमद अली निवासी धनलक्ष्मी नगर भनपुरी जिला रायपुर वर्ष 2013 में अपने स्वयं का घर बनाने के लिए जमीन खोज रहा था वर्ष 2013 में अपने परिचित राजेश कुमार चंद्राकर निवासी ग्राम लटेरा जिला बलौदा बाजार से मिला। उसने बताया कि वह एवं उसके पार्टनर नरेश दमोहे एवं पींकू घोष निवासी रायपुर द्वारा ग्राम मोतीपुर थाना अमलेश्वर तहसील पाटन में संचय डेवलपर्स एंड प्रमोटर्स कंपनी नाम से प्लाट काटे हैं ।

भिलाई के हाफ मैराथन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 लोगों को मिला शाबाश अवार्ड

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। सेल.भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को द्वितीय चरण में शाबाश अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति.पत्र प्रदान कर उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। सम्मानित होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों में महाप्रबंधक प्रभारी जेण् एनण् ठाकुरए महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक विष्णु के पाठक महाप्रबंधक सौमिक डे महाप्रबंधक विकास चंद्रा उप महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद सहायक महाप्रबंधक अंकुर मिश्रा सहायक महाप्रबंधक परविंदर सिंह ग्रेवाल सहायक महाप्रबंधक जनसंपक जवाहर बाजपेयी सहायक महाप्रबंधक जॉर्ज विलियम, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक पूर्व उप प्रबंधक डेनिस क्रिस्टी सहायक प्रबंधक के शशांक राव तथा सेक्शन एसोसिएट अनिरुद्ध शामिल थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी जेण् एनण् ठाकुर सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वीएलई को श्रमिक डेटा अपडेट और ई-केवाईसी का दिया प्रशिक्षण

दुर्ग, 7 जुलाई । जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राधाकृष्ण सभागार, साइंस कॉलेज दुर्ग में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई संचालकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।सहायक श्रमायुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार कार्यशाला में वीएलई संचालकों को आधार के अनुरूप श्रमिकों के डेटा संशोधन तथा ई-केवाईसी प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के वीएलई द्वारा कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। प्रभारी सहायक श्रमायुक्त श्रीमती पायल शर्मा, श्रम निरीक्षक श्री बसंत वर्मा एवं श्रम कल्याण अधिकारी डॉ. टुकेन्द्र कुमार ने ई-केवाईसी प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की जानकारी दी।

खुर्सीपार बाईपास पर अव्यवस्था से बढ़ रहा हादसे का खतरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। शिवसेना के भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर खुर्सीपार बाईपास रोड की बदहाल यातायात व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर रोजाना वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और बरसात के मौसम में हालात और अधिक गंभीर हो जाते हैं।

राजू ने बताया कि रायपुर की ओर से डबरापारा बाईपास मार्ग होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर की तरफ मुड़ते ही सड़क के दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है। इससे यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर में बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में ट्रक, ट्रेलर और अन्य भारी वाहनों का आवागमन होता है, जबकि सड़क किनारे बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के वाहनों की पार्किंग हादसों को न्यौता दे रही है। उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान अंधेरा और जलभराव की स्थिति में सड़क पर अचानक गाय, बैल और बछड़े आ जाने से वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। इसके कारण पीछे से आ रहे वाहन आपस में टकरा जाते हैं और दुर्घटनाएं होती हैं। शिवसेना ने यह भी आरोप लगाया कि भिलाई न्यू खुर्सीपार बाईपास से केनाल रोड, भगत सिंह चौक, शिव मंदिर क्षेत्र, पावर हाउस, सुपेला और नेहरू नगर सहित कई प्रमुख मार्गों पर डिवाइडर में लगी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से रात के समय वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी परेशानी होती है तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। राजू ने हाल ही में सुपेला स्थित कमला मेडिकल के सामने सड़क पार करते समय हुए सड़क हादसे का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकाश व्यवस्था के अभाव में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। उन्होंने नगर प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त कराने, बाईपास मार्ग पर अवैध पार्किंग हटाने तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

पहली ही सेल में बिक गया एआई+ स्मार्टफोन का पूरा स्टॉक

नई दिल्ली,7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़)। एआई+ स्मार्टफोन के हाल ही में लॉन्च किए गए नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। 26 जून को फ्लिपकार्ट पर आयोजित पहली सेल में दोनों स्मार्टफोन्स का पूरा स्टॉक बिक गया। इसके बाद कंपनी ने घोषणा की है कि इनकी अगली बिक्री 30 जून को दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी।इन स्मार्टफोन्स को 22 जून को आयोजित 'इंडियाज़ गॉट नोवा' लॉन्च इवेंट में पेश किया गया था। कार्यक्रम में गैजेट विशेषज्ञ राजीव मखनी, कॉमेडियन एवं यूट्यूबर समय रैना तथा एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ मौजूद रहे। इस दौरान कंपनी के ओपन रिव्यू प्रोग्राम के तहत टेक क्रिएटर्स, मीडिया प्रतिनिधियों और ग्राहकों ने भी भाग लिया।माधव शेठ ने कहा कि पहली ही बिक्री में दोनों स्मार्टफोन्स का पूरा स्टॉक बिक जाना इस बात का प्रमाण है कि ग्राहक किफायती कीमत में बेहतरीन परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और बेहतर सॉफ्टवेयर अनुभव चाहते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अगली सेल के जरिए कंपनी देशभर के अधिक से अधिक ग्राहकों तक नोवा सीरीज़ को पहुंचाएगी।नोवा 2 नियो में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर, 120Hz डिस्प्ले, 6000mAh बैटरी और एंड्रॉइड 16 आधारित नेक्स्टक्वांटम ओएस दिया गया है। वहीं, नोवा 2 प्रो में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7100 प्रोसेसर, 144Hz एफएचडी+ डिस्प्ले और 48 मेगापिक्सल का सोनी कैमरा सेंसर मिलता है। दोनों स्मार्टफोन फास्ट चार्जिंग और प्रीमियम डिज़ाइन के साथ आते हैं।

शिक्षा में भी महंगाई की मार दे दी छग की भाजपा सरकार ने : कुसुम दुबे

महंगाई से सर्वहारा हलाकान, फीस वृद्धि से पालक परेशान

रजानांदगांव,7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव की महामंत्री अधिवक्ता कुसुम दुबे ने छ ग सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त स्कूलों, स्वामी आत्मानंद एवं पीएमश्री स्कूलों में बच्चों की बढ़ाई गई फीस पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहीं की एक तरफ छ ग सरकार स्कूलों में शिक्षक भर्ती करने में,महंगाई रोकने में असफल है वहीं शिक्षा जैसे पवित्र पावन कार्य में भी फीस बढ़ाकर सर्वहारा वर्ग को महंगाई की मार झेलने विवस कर दी है । महामंत्री कुसुम दुबे ने सीधे शब्दों में कही कि किसी भी राज्य की प्रगति में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व होता है और ऐसी दशा में शिक्षा पर महंगाई की मार राज्य के विकास में बाधा उत्पन्न करने वाला कार्य है छ ग सरकार स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती ना कर निजी स्कूलों को 8% तक एवं सरकारी स्कूलों के फीस में वृद्धि कर उसे आंशिक वृद्धि बताकर गुमराह कर रही है है वहीं इस वृद्धि से पालकों और छात्रों पर जो मानसिक त्रासदी बढ़ी है उससे सरकार बेसुध है बढ़ाई गई फीस शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों जैसे बालचर, क्रीड़ा शुल्क, विज्ञान क्लब,विज्ञान प्रायोगिक शुल्क सहित परीक्षा शुल्क में वृद्धि अपने आप में अन्याय का प्रतीक है सभी मदों को मिलाकर हाई स्कूल के बच्चों की फीस 410 रुपए से बढ़ाकर 500 हायर सेकेंडरी में 445 से बढ़ाकर 550 रुपए और 10वीं एवं 12वीं की निर्धारित फीस 460 रु को बढ़ाकर 800 रु कर दिया गया है इसी प्रकार परीक्षा शुल्क 480रु अंकसूची शुल्क 200 रु तथा प्रति विषय प्रायोगिक शुल्क 120 रु कर दिया गया है यहां तक की ओपन स्कूल की परीक्षा फीस भी बढ़ोतरी कर सर्व शिक्षा पर प्रहार करने का तुगलकी निर्णय छ ग की भाजपा सरकार ने ली है।

दो दिन की बारिश में डूबी व्यवस्था निगम की तैयारियों पर उठे सवाल

राजनांदगांव ,7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़)। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने नगर निगम की मानसून पूर्व तैयारियों की पोल खोल दी है। शहर के कई प्रमुख वार्डों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है, जिससे आमजन का जनजीवन प्रभावित हुआ है।

सड़कों पर पानी भरने से आवागमन बाधित हो रहा है, वहीं कई इलाकों में पानी घरों और गलियों तक पहुंच गया है नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने आरोप लगाया कि मानसून से पहले ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर नालों-नालियों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा सड़कों के गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग की थी, लेकिन समय रहते आवश्यक कार्य नहीं किए गए। उनका कहना है कि यदि पूर्व तैयारी की गई होती तो नागरिकों को जलभराव जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।उन्होंने निगम प्रशासन, आयुक्त, महापौर और भाजपा पार्षदों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पहली ही तेज बारिश ने निगम के दावों की वास्तविकता सामने ला दी है। बसंतपुर जिला चिकित्सालय, इंदिरा नगर, लखोली, बसंतपुर, शांतिनगर और मोतीपुर सहित कई वार्डों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रोजगार मेला का आयोजन 8 जुलाई को, मेले में 264 पदों पर होगी भर्ती

बलौदाबाजार,7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़)।कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा रोजगार कार्यालय परिसर बलौदाबाजार में 8 जुलाई 2026 बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में कुल 264 पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार नियोजक भारतीय जीवन बीमा बलौदाबाजार द्वारा अभिकर्ता के 50 पद, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के 1 पद, मैनेजर के 1 पद, उम्र 18 से 50 वर्ष, योग्यता एवं वेतन 7 हजार से 20 हजार इन्सेंटिव एवं कमिशन, पदानुसार, अनुभव 0 से 02 वर्ष, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। ऋषभ वेंचर्स बलौदाबाजार द्वारा सेल्स के 11 पद, इलेक्ट्रिशियन के 1 पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा कम्प्यूटर उत्तीर्ण एवं अनुभव 1 से 3 वर्ष, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन पदानुसार 9 हजार से 12 हजार रूपए तक देय होगा। कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। किरण एग्रीकल्चर बलौदाबाजार द्वारा सेल्स के 11 पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 2 पद, एकाउंटेंट के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता 12वीं, स्नातक, डिप्लोमा कम्प्यूटर उत्तीर्ण एवं अनुभव 0 से 1 वर्ष, उम्र 18 से 40, वेतन पदानुसार 8 हजार से 12 हजार रूपए तक, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। यूनिक्स सॉल्यूशन प्रा. लि. रायपुर द्वारा डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के 35 पद, शैक्षणिक योग्यता 10वीं से उच्च उत्तीर्ण एवं अनुभव 0 से 01 वर्ष, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 15 हजार 600 रूपए से 26 हजार 700 रूपए. कार्यक्षेत्र रायगढ़ होगा एवं आश्रव फाउंडेशन एंड सिक्योरिटी रायपुर.

जयशंकर पांडेय का निधन

डोंगरगढ़.,7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़)।दुर्गा मंदिर के वरिष्ठ पुजारी पंडित जयशंकर पांडेय का 80 वर्ष की आयु में सोमवार तड़के 2:30 बजे निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे,और रायपुर में उपचाररत थे। सोमवार को छीरपानी मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा और त्याग का अनुपम उदाहरण : मुख्यमंत्री साय

रायपुर 7 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, शिक्षा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। धारा 370 का हटना, अंत्योदय की भावना पर आधारित विकास तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले अनेक निर्णय उनके विचारों को मूर्त रूप देने वाले ऐतिहासिक कदम हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए राज्य के सभी संभागीय एवं जिला मुख्यालयों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक दूरदर्शी राजनेता ही नहीं, बल्कि विलक्षण शिक्षाविद भी थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का गौरव प्राप्त करने वाले डॉ. मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत के

प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की उनकी प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उन्होंने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान' की व्यवस्था के विरुद्ध डॉ. मुखर्जी ने ऐतिहासिक संघर्ष किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। आज पूरा देश उनके त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के गौरवशाली इतिहास और भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। हर घर तिरंगा जैसे जनआंदोलन ने राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी नया रायपुर स्थित शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के 14 वीर स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में विशेष दीर्घा स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंत्योदय के विचारों को आधार बनाकर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्प पूरे किए गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। 500 से अधिक गांवों तक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, 700 से अधिक मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं तथा बस्तर अंचल में व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, शिक्षा, त्याग और समर्पण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल, प्रबुद्धजन, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

महापौर की उपस्थिति में नव नियुक्त नामांकित पार्षदों का निगम में हुआ स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़

राजनांदगांव 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर निगम राजनांदगांव के लिए मनोनित 8 नामांकित पार्षदों के नाम का

विधिवत आदेश जारी किया गया। उक्त नामांकित पार्षदों का आज निगम सभागृह में महापौर श्री मधुसूदन यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित कर स्वागत किया गया। महापौर श्री यादव ने कहा कि सभी मनोनित पार्षदों का मै निगम परिवार की ओर से स्वागत करता हूँ। पार्षदों एवं अधिकारियों व कर्मचारियों का हमारा निगम परिवार है, जिसमें हम सब मिल जुलकर शहर विकास के लिए काम करते है। अब हमारे नामांकित पार्षद भी हमारे इस परिवार से जुड़ गये। उन्होने कहा कि नगरीय निकाय एक ऐसी संस्था है, जंहा सुबह से रात तक काम रहता है और उनका मुल काम जनता को मुलभूत सुविधा उपलब्ध कराना एवं उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होनें कहा कि सभी नामांकित पार्षदों को सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। शहर विकास में आप सब का सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिसके लिए हम सब मिल जुलकर काम करेंगे। नामांकित पार्षद सर्वश्री नागेश यदु, श्रीमती करूणा राजपूत, हर्ष रामटेके, सूर्यकांत श्रीवास, श्रीमती मंजू यादव, भीषम देवांगन, श्रीमती कृति बोरकर, देवाशिष झा का महापौर श्री यादव सहित आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं नेता प्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री वर्मा ने नामांकित पार्षदों का स्वागत करते हुए कहा कि एक नई उर्जा के साथ शहर विकास के लिए काम करना है, जिससे शहर में निगम की एक छवि बने। नेता प्रतिपक्ष श्री पिल्ले ने भी बधाई देते हुए कहा कि हम सब निगम परिवार से जुडे हुए है और नामांकित पार्षद नियुक्त होने से हमारे परिवार में वृद्धि हुई है। हम सबको शहर विकास में एक जुट होकर काम करना है।

"आज का पौधा, कल की साँस" वन महोत्सव में बच्चों ने लिया हरियाली बढ़ाने का संकल्प

■ तरुण छत्तीसगढ़

साल्हेवारा, 7 जुलाई। धरती को हराभरा बनाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण देने के संकल्प के साथ पूर्व माध्यमिक शाला अचानकपुर में वन महोत्सव के अंतर्गत भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं वन विभाग के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक पौधे रोपकर प्रकृति संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री संजीत मरकाम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" तथा अपने प्रत्येक जन्मदिन पर एक पौधा लगाने का संकल्प जीवनभर निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि उसे वृक्ष बनने तक सहेजना और उसकी देखभाल करना ही सच्चा पर्यावरण संरक्षण है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी

निभाए, तो आने वाले वर्षों में हरियाली, स्वच्छ हवा और बेहतर जलवायु का सपना साकार हो सकता है।

विद्यालय के प्रधान पाठक श्री पन्नालाल जांघेल ने विद्यार्थियों को वृक्षों के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन की निरंतरता के आधार भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया।

स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

बलौदाबाजार,7जुलाई.कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के पर्यटन मानचित्र को नया रूप देने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए।स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए सभी चिन्हित स्थलों का तेजी से विकास किया जाए। उन्होंने शहर के नजदीक स्थित छुइहा जलाशय सौंदर्यीकरण और विकास पर विशेष ध्यान देने और इसे एक प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने कहा। उन्होंने जलाशय के जमीन पर अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि अतिक्रमण पर तत्काल कार्यवाही किया जाए और सम्बंधित एसडीओ और सब इंजीनियर को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने छुइहा जलाशय के साथ ही नवीन कृषि उपज मण्डी के पास खोरसी नाला में चेक डेम निर्माण और वृक्षारोपण, सोनबरसा जंगल सफारी में सुविधा विस्तार, गिरौदपुरी धाम,गिधोरी कें पास महानदी तट का सौन्दर्यीकरण आदि पर चर्चा की गई। इसके साथ ही हीरा स्व सहायता समूह द्वारा जलाशय में बोटिंग संचालन प्रस्ताव पर सुरक्षा एवं सुविधाओं का परीक्षण करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि पर्यटन स्थलों के विकसित होने से न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मोर गांव -मोर पानी अभियान के तहत निर्मित जल अवशोषण ट्रेंचों में 132.2 लाख घन मीटर वर्षा जल का भण्डारण

■ तरुण छत्तीसगढ़

बलौदाबाजार, 7 जुलाई.जल संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देते हुए जिला प्रशासन द्वारा जिले में मोर गांव,मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत वी बी-जी राम जी एवं विभिन्न विभागों के प्रभावी अभिसरण से 1,69,504 जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण किया गया है। पहली बारिश में ही इन जल अवशोषण ट्रेंचों में पानी भर गया हैं जिससे लगभग 13.22 मिलियन क्यूबिक मीटर वर्षा जल का संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित होगा। इससे वर्षा का बहुमूल्य जल बहकर नष्ट होने के बजाय भूमि में समाहित होगा, जिससे भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा कुओं, हैंडपंपों, नलकूपों एवं अन्य जल स्रोतों में लंबे समय तक जल उपलब्धता बनी रहेगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सी ई ओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में मोर गांव, मोर पानी 2.0 अभियान चलाया गया।यह अभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रहा है। वी बी -जी राम जी के माध्यम से हजारों ग्रामीण श्रमिकों को उनके अपने गांव में ही रोजगार उपलब्ध हुआ, वहीं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान का प्रभाव और अधिक व्यापक एवं परिणामकारी बना। जल अवशोषण ट्रेंचों के निर्माण से कृषि भूमि में नमी का संरक्षण होगा, मिट्टी का कटाव कम होगा तथा वर्षा जल का अधिकतम उपयोग संभव होगा। इससे किसानों को खरीफ एवं रबी दोनों फसलों में बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा। साथ ही जल उपलब्धता बढ़ने से पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन एवं अन्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मोर गांव–मोर पानी महाअभियान जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। यह अभियान "हर बूंद का संरक्षण–हर गांव का संवर्धन" की भावना को साकार करते हुए भविष्य की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

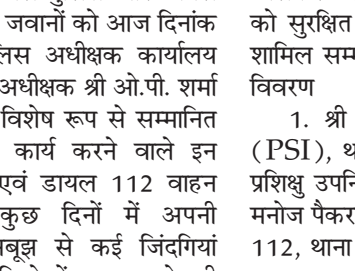

कसडोल पुलिस व डायल-112 की त्वरित कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़

बलौदाबाजार,7जुलाई। 06.07.2026 को सुबह करीब 11:35 बजे थाना कसडोल के डायल 112 (बाज-1) की टीम ने एक बार फिर तत्परता और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पिता-पुत्र की जान बचाई। दोनों घायलों को बिना वक्त गंवाए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) कसडोल में भर्ती कराया गया है। बाइक का अचानक ब्रेक चिपकने से हुआ हादसा- डायल 112 कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि बलार रोड कसडोल के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 (बाज-1) के आरक्षक क्रमांक 371 आशुतोष बंजारे और चालक नरेंद्र साहू बिना एक पल गंवाए तत्काल मौके के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर पहुंचने पर देखा कि आसपास के राहगीरों ने दोनों घायलों को सड़क किनारे बिठा रखा था। पूछताछ और जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल से जाते समय अचानक ब्रेक चिपक (लॉक हो) जाने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई थी। पिता का हाथ टूटा, पुत्र भी गंभीर रूप से घायल, इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र को गंभीर चोटें आई थीं:

1. कुंजराम कर्ष (उम्र 75 वर्ष), निवासी खरहा बम्हनीः बुजुर्ग कुंजराम का एक हाथ टूट चुका था, पैर के पंजे में गहरी चोट थी तथा सिर, पीठ और सीने में गंभीर अंदरूनी चोट के कारण वे असहनीय दर्द से तड़प रहे थे।

2. हीराराम कर्ष (उम्र 45 वर्ष, पुत्र कुंजराम), निवासी खरहा बम्हनीः इन्हें भी सिर, सीने, घुटने और पीठ पर गंभीर चोटें आई थीं और वे काफी तकलीफ में थे। गोल्डन आवर में मिली मदद, बची दो जिंदगियां- घायलों की बेहद नाजुक और गंभीर स्थिति को देखते हुए आरक्षक आशुतोष बंजारे और चालक नरेंद्र साहू ने एम्बुलेंस का इंतजार करने में वक्त जाया नहीं किया।

पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा ने बढ़ाया जवानों का हौसला

■ तरुण छत्तीसगढ़

बलौदाबाजार,7 जुलाई। सड़क दुर्घटनाओं में तत्परता दिखाने, प्राकृतिक आपदा में फंसे लोगों का रेस्क्यू करने और आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई कर लोगों की जान बचाने वाले थाना कसडोल पुलिस और डायल 112 के अधिकारियों व जवानों को आज दिनांक 06.07.2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलौदाबाजार में पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सराहनीय कार्य करने वाले इन जांबाज पुलिसकर्मियों एवं डायल 112 वाहन चालकों ने पिछले कुछ दिनों में अपनी कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ से कई जिंदगियां बचाई हैं, जिसकी पूरे जिले में सराहना हो रही है।तुरतुरिया बालमदेही नदी में आई भीषण बाढ़ से 200 से अधिक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का सफल रेस्क्यू (दिनांक 05.07.2026): कल दिनांक 05.07.2026 को मातागढ़ तुरतुरिया स्थित बालमदेही नदी में अचानक भीषण बाढ़ आ गई थी, जिसमें कई श्रद्धालु और पर्यटक फंस गए थे। सूचना मिलते ही कसडोल पुलिस और डायल 112 की टीम ने अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नदी के बीच से सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस रेस्क्यू टीम में शामिल सम्मानित होने वाले अधिकारी/कर्मचारी विवरण

1. श्री रूपेश चंद्रा – प्रशिक्षु उपनिरीक्षक (PSI), थाना कसडोल,2. श्री उमेश टंडन – प्रशिक्षु उपनिरीक्षक (PSI), थाना कसडोल,3. मनोज पैकरा (आरक्षक क्रमांक 609) – डायल 112, थाना कसडोल,4. नेतराम पटेल – वाहन चालक, डायल 112, थाना कसडोल,5. राजा उर्फ टिकेश्वर यादव (आत्मज स्व. सुरेन्द्र कुमार यादव) – वाहन चालक, कसडोल

तीजन बाई मतलब पंडवानी और पंडवानी मतलब तीजन बाई

माना जाता है,कहा जाता है कि कला को जब कोई कलाकार बहुत ऊंचाई तक ले जाता है तो कला से कलाकार की पहचान होती है,कला के कारण कलाकार को जाना पहचाना जाता है।उसे बड़ा कलाकार माना जाता है, महान कलाकार माना जाता है।कला तो हमेशा रहती है, कला के साधक भी हमेशा रहते हैं लेकिन कोई कोई कला का साधक ऐसा होता है,उसकी कला की साधना ऐसी होती है कि कला ऐसी ऊंचाई पर पहुंच पाती है जिसकी कोई कल्पना नहीं किया होता है।जब कला को कोई ऐसा साधक होता है तो कला से वह नहीं पहचाना जाता है, उसके कारण कला की एक नई पहचान बनती है,उसके कारण कला को देश व दुनिया में जाना जाता है। छत्तीसगढ़ महतारी की लोककला साधिका बेटी तीजन बाई ऐसी ही कला साधिका थीं। उन्होंने पंडवानी की ऐसी साधना की कि आज पंडवानी के कारण तीजन बाई को नहीं पहचाना जाता है, तीजन बाई के कारण पंडवानी को लोग देशविदेश में जानते हैं। कई महीनों से अस्वस्थ रहने के बाद देश के दूसरे सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित देश विदेश में पंडवानी गायिका के तौर पर जानी जाने वाली तीजनबाई का पांच जुलाई को निधन छत्तीसगढ़ ही नहीं लोककला की दुनियां की अपूरणीय क्षति है, लोकगायिका के तौर पर लोकगायिकी के क्षेत्र में उन्होंने जो जगह बनाई थी,उस जगह को कोई नही भर सकता। जब भी पंडवानी का कार्यक्रम होगा तो उनकी याद आएगी। उनको याद किया जाएगा।वह लोकगायिकी से कला के आसमान पर जिस ऊंचाई पर पहुंची थी,वह लोकगायिकाओं के लिए एक उदाहरण है कि गरीबी,कठिनाई के बाद भी कला के प्रति समर्णण,निरंतर अभ्यास, नया करने की हिम्मत हो तो कला के हर आसमान की ऊंचाई पर पहुंचा जा सकता है। अपनी ऐसी पहचान बनाई जा सकती है कि कला से कलाकार की नहीं कलाकार से कला को पहचाना जाता है। दुर्ग जिले के अटारी गांव के शिकारीपारा में पारधी परिवार में तीज के दिन जन्म होने के कारण तीजन रखा गया था।पिता का नाम छुनुकलाल पारधी,माता का नाम सुखबती था।उनका बचपन गरीबी,अभाव में बीता।माना जाता है कि पुराने जन्मों के संस्कार कभी अचानक जाग जाते हैं और एक महान कलाकार की कलायात्रा शुरू होती है। बताया जाता है कि तीजन एक बाद गंदे पैर धोने तालाब जा रही थी।उनके नाना के छोटे भाई बृजलाल पारधी अपनी झोपड़ी में इकतारे के साथ चीरहरण प्रसंग में द्रोपदी की भगवान श्रीकृष्ण से लाज बचाने के लिए करुण पुकार को सुना तो उनके भीतर कुछ ऐसा बदल गया कि वह दूसरे दिन फिर पंडवानी सुनने पहुंची तो बृजलाल ने उनको पकड़ लिया। तब तीजन ने उनको बताया कि पंडवानी सुनना,गाना उनको अच्छा लगता है।तीजन ने उनको एक दिन सुना पूरा प्रसंग सुना दिया तब बृजलाल समझ गए कि यह साधारण बच्ची नहीं है।उसके बाद बृजलाल ने उनको पंडवानी की बारीकियां सिखाई।उसके बाद चंदखुरी के उमेंद सिंह देशमुख से भी उन्होंने पंडवानी की बारीकियां सीखीं।उनका पंडवानी का पहला कार्यक्रम भी चंदखुरी में हुआ था। पंडवानी सीखने के बाद उनकी पंडवानी गायन का घर से लेकर गांव तक में विरोध हुआ। मां ने घर से निकाल दिया,पति ने अपनाने से मना कर दिया लेकिन तीजन ने पंडवानी को नहीं छोड़ा, निरंतर पंडवानी का अभ्यास करती रहीं।जहां भी उनका पंडवानी का कार्यक्रम होता वहां तो उनको लोगों की खूब तालियां मिलती थी लेकिन गांव में लौटने पर ताने भी सुनने पड़ते थे।उनको पंडवानी से सबसे ज्यादा प्यार था, लोगों ने उनको पंडवानी के कारण छोड़ दिया लेकिन तीजन ने पंडवानी को कभी नहीं छोड़ा।बताया जाता है कि १९७१ में भिलाई मड़ई से मिले बड़े मंच से उनकी जिंदगी बदल गई।उसके बाद दिल्ली के अशोका होटल,भारत भवन,देश भर में प्रतिष्ठित आयोजनो में उनको बुलाया जाने लगा।उसके बाद विदेशों में भी उन्होंने जाकर कई कार्यक्रम दिए और देश के साथ ही विदेशों में भी उस पंडवानी को जिसे गांव के चौपालों तक जाना जाता था,तीजन बाई के कारण देश विदेश में पंडवानी को नई पहचान मिली और पंडवानी मतलब तीजन बाई हो गया और तीजन बाई मतलब पंडवानी हो गया।कहीं भी कोई पंडवानी कहता था लोगों के जेहन में एक ही तस्वीर उभरती थी तीजन बाई की।

भारतीय लोककला में उनके अप्रतिम योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री,पद्मभूषण व पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया था।इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार,श्रेष्ठ कला आचार्य सम्मान, देवी अहल्या सम्मान,एसएस सुब्बुलक्ष्मी शताब्दी पुरस्कार,मानद डी लिट सहित अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।महान लोककला साधिका के के सम्मान में शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने घोषणा की है कि गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकंडरी स्कूल का नाम बदलकर ड़ा तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकंडरी स्कूल रखा जाएगा।वही विधायक रिकेश सेन ने वैशालीनगर में प्रस्तावित आडिटोरियम का नाम तीजन बाई आडिटोरियम रखने की घोषणा की है। उम्मीद है कि सरकार भी उनकी स्मृति तो चिरस्थायी बनाए रखने के लिए जरूर कुछ न कुछ करेगी।तीजनबाई महिलाओं के लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेंगी और यह संदेश देती रहेंगी की तुम्हारे लिए असंभव कुछ भी नहीं है, अगर कुछ करना चाहती है, पाना चाहती हो।झुको मत,टूटो मत,आगे बढ़ती रहो,रास्ता बनाता जाएगा।

जन्म दिवस पर विशेष

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत: संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

गजेंद्र सिंह शेखावत

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी। उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता। विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक

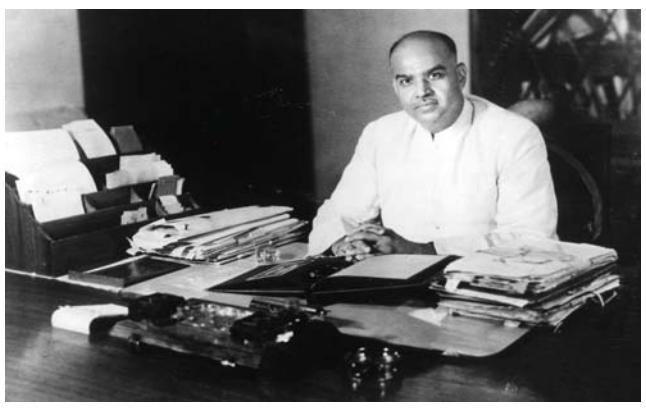

विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था।

हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक ज़िम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों—अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन—के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है। साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है। डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को "एक बड़ी जिम्मेदारी" और "एक गंभीर और पवित्र विश्वास" के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें। जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है: वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का सबसे अहम सबक यही है। उनकी विरासत केवल उन पदों तक सीमित नहीं है जो उन्होंने संभाले या उन बहसों में भी नहीं है जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया, बल्कि यह उनके उस अटूट विश्वास में निहित है कि मजबूत संस्थान ही किसी राष्ट्र की आकांक्षाओं के सच्चे संरक्षक होते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत करना ही उनके प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

सू- दोकू क्र.091

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.090 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुहबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

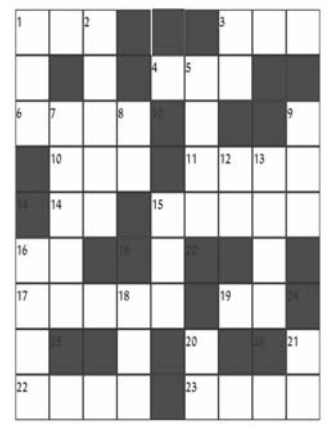

शब्द सामर्थ्य क्रमांक090 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	वं	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

मंदिर, राम सेतु और राजनीति: कैसे बदलते रहे नेताओं के सुर

संजय सक्सेना,लखनऊ,

भारतीय राजनीति में भगवान राम का नाम दशकों से एक संवेदनशील और विवादित विषय रहा है। समय-समय पर अलग-अलग दलों और नेताओं के बयानों ने इस मुद्दे को गर्माया है, और हर बार यह

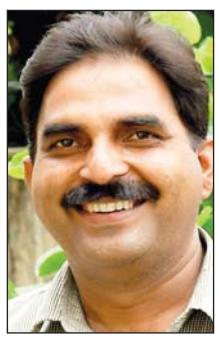

बहस नए सिरे से शुरू हो जाती है कि कौन राम के प्रति कैसा नजरिया रखता है।2007 में केंद्र की कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सेतुसमुद्रम शिपिंग कैनाल प्रोजेक्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया था। इस हलफनामे में यह तर्क दिया गया था कि रामायण और अन्य धार्मिक ग्रंथ ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं माने जा सकते, और इसलिए राम सेतु के अस्तित्व को पुरातात्विक या वैज्ञानिक प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस हलफनामे पर देशभर में भारी विरोध हुआ, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा और तत्कालीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल सिब्बल ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। इस घटना को आज भी बीजेपी और अन्य हिंदुत्ववादी संगठन कांग्रेस के खिलाफ एक प्रमुख राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का नाम राम मंदिर आंदोलन के दौर से जुड़ा रहा है। 1990 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कारसेवकों पर गोली चलवाने का आदेश दिया था, जिसे लेकर बीजेपी और हिंदुत्ववादी संगठन आज भी उन्हें निशाना बनाते हैं। संसद और सार्वजनिक मंचों पर उनके कुछ बयानों को लेकर भी विवाद हुए, जिनमें अयोध्या में राम जन्मभूमि के ऐतिहासिक प्रमाणों पर सवाल उठाने की बात कही जाती रही है। हालांकि, सपा नेता इन आरोपों को अक्सर संदर्भ से काटकर पेश किए जाने की बात कहते रहे हैं। 'मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' यह नारा 1993 के यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान सपा-बसपा गठबंधन के खिलाफ बीजेपी और उसके समर्थकों की ओर से गढ़ा गया था, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सपा-बसपा गठबंधन हिंदुत्व की राजनीति के विरोध में खड़ा है। यह नारा आज भी चुनावी भाषणों में सपा को घेरने के लिए इस्तेमाल होता है।आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद को 'हिंदू' बताते हुए मंदिरों में पूजा-अर्चना करते और जनेऊ पहनते नजर आते हैं। आलोचक इसे चुनावी रणनीति बताते हैं, जबकि सपा नेताओं का कहना है कि यह उनकी निजी आस्था है और इसे राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर भी बीजेपी अक्सर यह आरोप लगाती है कि उनकी पार्टी की राजनीति मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण पर आधारित है, और इस वजह से राम मंदिर जैसे मुद्दों पर उनका रुख हमेशा सतर्क और गोलमोल रहा है। राजद की ओर से इसे धर्मनिरपेक्षता

की राजनीति बताया जाता है, न कि किसी धर्म-विशेष के प्रति दुराग्रह।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लंबे समय से बीजेपी और हिंदुत्ववादी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। उन पर मुस्लिम तुष्टिकरण और हिंदू प्रतीकों से परहेज करने के आरोप लगते रहे हैं। ओवैसी खुद अक्सर इन आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि वे भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखते हैं, और किसी धर्म के प्रति उनका कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

हाल के वर्षों में संभल की जामा मस्जिद को लेकर हुए विवाद और वहां के सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के बयानों ने भी सुर्खियां बटोरीं। यह मुद्दा भी सांप्रदायिक राजनीति और मस्जिद-मंदिर विवादों की व्यापक बहस का हिस्सा बन गया।कुछ दलित और बौद्ध नेता भी राम मंदिर आंदोलन से खुद को दूर रखते आए हैं। इसके पीछे तर्क यह दिया जाता है कि बौद्ध धर्म और अंबेडकरवादी विचारधारा हिंदू धार्मिक प्रतीकों और वर्ण-व्यवस्था से जुड़े इतिहास को अलग नजरिए से देखते हैं। इसे धार्मिक विरोध की बजाय वैचारिक और सामाजिक असहमति के तौर पर देखा जाना ज्यादा उचित होगा। इस पूरे विमर्श का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आलोचकों का तर्क है कि 'कौन राम का नाम लेता है और कौन नहीं' इस आधार पर नेताओं को कठघरे में खड़ा करना खुद एक राजनीतिक हथियार बन चुका है, जिसका इस्तेमाल चुनावों में ध्रुवीकरण के लिए किया जाता है। विपक्षी दलों का कहना है कि आस्था एक निजी विषय है, और किसी नेता के धार्मिक बयान या मौन को उसकी राष्ट्रभक्ति या देशप्रेम से जोड़ना गलत मिसाल कायम करता है। वहीं बीजेपी और उसके समर्थकों का तर्क है कि जब कोई सार्वजनिक पद पर बैठा व्यक्ति बहुसंख्यक आस्था से जुड़े प्रतीकों पर सवाल उठाता है, तो जनता को उसका जवाब मांगने का अधिकार है। लब्बोलुआब यह है कि राम मंदिर और राम सेतु जैसे मुद्दे भारतीय राजनीति में आस्था, पहचान और सामाजिक न्याय की जटिल परतों को उजागर करते हैं। यह बहस जितनी धार्मिक है, उतनी ही राजनीतिक और सामाजिक भी। किसी नेता के बयान या मौन को समझने के लिए उसके पूरे संदर्भ, समय और परिस्थिति को ध्यान में रखना जरूरी है, ताकि एकतरफा या अधूरी तस्वीर पेश करने से बचा जा सके।

तड़पती सांसें

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

गाँव की उस बूढ़ी, पथरीली पगडंडी पर धूल का एक बवंडर उठा और पीपल के झुर्रीदार पत्तों से टकराकर शांत हो गया। जेठ की दुपहरी में जब आसमान आग उगलता है, तब सत्तर पार के दो जोड़े पैर बिना किसी चप्पल के उस तपती मिट्टी को नाप रहे थे। रामसरन की पीठ झुककर कमान हो चुकी थी, मानो वह धरती से अपना खोया हुआ कुछ ढूंढ रहे हों। उनकी लाठी खट-खट करती हुई उस सन्नाटे को चीर रही थी, जो गाँव के सूनेपन की बपौती बन चुका था। उनके ठीक पीछे जानकी अपने फटे आँचल से माथे का पसीना पोंछती हुई घिसट रही थी। उनके हाथों की नसें इस तरह उभरी हुई थीं, जैसे सूखी नदी के पाट पर दरारें पड़ गई हों। वे दोनों किसी गंतव्य की ओर नहीं, बल्कि अपनी ही परछाईं के पीछे भाग रहे थे, जिसे धूप लगातार छोटी करती जा रही थी।

उस धूल-धूसरित रास्ते के ठीक मोड़ पर एक नीम का दरख्त खड़ा था। वही नीम, जिसे रामसरन ने अपने हाथों से सींचा था। आज उसकी छाल उखड़ चुकी थी, पर उसकी जड़ें पाताल को छूने की जिद्द में थीं। अजीब बात थी कि उस बूढ़े दरख्त पर एक भी फल नहीं बचा था, सारे के सारे निबौरी के दाने न जाने कब के गायब हो चुके थे। हवा चलती तो उसकी सूखी टहनियाँ आपस में टकराकर ऐसा रुदन करतीं, मानो कोई माँ एकांत में अपने बहते आंसुओं को दुनिया से छुपाने की नाकाम कोशिश कर रही हो। रामसरन ने नीम की छांव में सुस्ताने के लिए कदम रोके, तो जानकी ने धीमी आवाज में कहा, "सुनो, आज डाकिया आया था क्या?" रामसरन ने बिना कुछ बोले अपनी धुंधली आँखों को आसमान की तरफ उठा दिया। आँखों के कोरों में जमा हुआ पानी सूखकर नमक बन चुका था, जिसमें अब और बहने की ताकत नहीं बची थी।

शहर के एक आलीशान, वातानुकूलित रेस्तरां में मोमबत्तियों की मद्धम रोशनी के बीच कांच के गिलास आपस में टकराए। 'चीयर्स' की आवाज के साथ एक खनकती हुई हंसी गूंजी। उस मेज पर बैठे नौजवान की कलाई पर बंधी महंगी घड़ी टिक-टिक कर रही थी, जो समय की कीमत तो बताती थी, लेकिन बीते हुए कल की यादों को दफन कर चुकी थी। उसकी चमचमाती कार बाहर फुटपाथ पर खड़ी थी, जिसकी चमक के आगे स्ट्रीट लाइट भी फीकी लग रही थी। वह अपनी संगिनी की आँखों में झांकते हुए भविष्य के आलीशान महलों के सपने बुन रहा था। उसके चेहरे पर सफलता का वह आभामंडल था, जो अक्सर जड़ों को काट देने के बाद ही हासिल होता है। उसने वेटर को बुलाकर एक झटके में उतना बख्शीश दे दिया, जितने में किसी बूढ़े बाप की महीने भर की दवाइयां आ सकती थीं। वह हंस रहा था, क्योंकि उसने जिंदगी के गणित को पूरी तरह सुलझा लिया था।गाँव के उस कच्चे मकान के भीतर, जहाँ एक कोने में मिट्टी का दीया तेल के अभाव में दम तोड़ रहा था, एक पुरानी पेटी खुली पड़ी थी। उस पेटी में कुछ सहेज कर रखा गया था—एक स्याही सूख चुकी कलम और फटे पन्नों वाली एक पुरानी कापी। उसी कापी के अक्षरों को छूकर रामसरन की उँगलियाँ कांप उठीं। उन्होंने कभी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा पानी की तरह बहाकर किसी को अक्षरों की दुनिया की सैर कराई थी। वह कलम आज भी वहीं गवाही दे रही थी कि कैसे एक हाथ ने दूसरे हाथ को थामकर चलना और लिखना सिखाया था। मगर विडंबना देखिए, जिस कलम की नींव में बूढ़े बाप के खून का पसीना लगा था, उसने जब अपनी पहली इबारत लिखी, तो सबसे पहले उसी घर का पता अपनी यादों से मिटा दिया। वह एक ऐसी मूक गवाही थी, जो बिना कुछ कहे भी कलेजे को छलनी कर रही थी।शाम ढलते ही दोनों बूढ़े शरीर फिर से अपनी उसी झोपड़ी की तरफ लौट चले, जहाँ अंधेरा पहले ही आकर आसन जमा चुका था। रामसरन ने जानकी की तरफ देखा और एक ठंडी आह भरकर बोले, "नीम ने अपनी सारी निबौरियां शहर के बाजारों में बेच दीं, ताकि वहाँ के लोग अपनी कड़वाहट दूर कर सकें। अब इस बूढ़े तने के पास सिर्फ सूखी पत्तियाँ बची हैं, जो पतझड़ में खुद-ब-खुद गिर जाएंगी।" जानकी ने कुछ नहीं कहा, बस अपनी फटी साड़ी के पल्लू से आँखें मूंद लीं। हवा का एक तेज झोंका आया और उस नीम के पेड़ से आखिरी सूखा पत्ता भी टूटकर जमीन पर गिर गया। शहर की रोशनियों में नहाया वह नौजवान अपनी जीत का जश्न मना रहा था, जबकि यहाँ गाँव की उस अंधेरी कोठरी में दो जिंदगियां बिना किसी आहट के, धीरे-धीरे मलबे में तब्दील हो रही थीं।

एक नजर

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत जिला पंचायत सीईओ ने सौंपे चेक

कांकेर, 7 जुलाई । राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी महिलाओं एवं उनके परिजन के मृत्यु होने पर उनके नामांकित सदस्यों को आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की बीमा राशि प्रदान की गई। कांकेर विकासखंड के ग्राम मनकेशरी निवासी भूपेश देवांगन एवं पवन पटेल तथा ग्राम बारदेवरी निवासी रामेश्वरी पटेल एवं तेजसिंग दनेलिया की मृत्यु पश्चात उनके नामांकित परिजनों को उक्त बीमा राशि का चेक प्रदान की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्यरत पीआरपी एवं एफएलसीआरपी द्वारा तत्काल बीमा दावा तैयार कर बैंक ऑफ इंडिया एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में जमा कराया गया। बैंक प्रबंधन ने आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर दावा क्लेम उच्च कार्यालय को प्रेषित कर प्रकरण को स्वीकृत कराया गया, तत्पश्चात नॉमिनी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनांतर्गत बीमा राशि प्रदान की गई। बताया गया कि कांकेर विकासखंड में वित्तीय वर्ष 2026-27 अब तक 09 मृतक बीमा दावों का सफलतापूर्वक निपटारा कर संबंधित नॉमिनी को बीमा राशि उपलब्ध कराई गई है।

पंजीकृत श्रमिकों के ई-केवाईसी कराने सीएससी संचालकों को दिया प्रशिक्षण

कांकेर, 7 जुलाई । छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर श्री विकास नायक एवं श्री गिरीष कुमार द्वारा जिले के सभी च्वाइस सेंटर (सीएससी) संचालकों एवं वीएलई को श्रमिक पंजीयन, ई-केवाईसी, ऑनलाइन पंजीकरण तथा विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं में तकनीकी संबंधी जैसे- ई-केवाईसी प्रक्रिया, श्रमिक पंजीयन, पोर्टल संचालन तथा योजना संबंधी तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित किया गया, जिसमें पहली पाली में 85 तथा दूसरी पाली में 220 सीएससी संचालकों एवं वीएलई ने भाग लिया। इस प्रकार प्रशिक्षण में 305 सीएससी संचालकों एवं वीएलई को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बस्तर हाई स्कूल के 1978 बैच के विद्यार्थियों का हुआ मिलन, ताजा हुई पुरानी यादें

जगदलपुर, 7 जुलाई । बस्तर हाई स्कूल के वर्ष 1978 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का एक दिवसीय स्नेह मिलन समारोह यारााना-1978 के बैनर तले शुक्रवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर 48 वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले साथियों ने अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया और विद्यालय परिसर में बिताए सुनहरे पलों को फिर से जीवंत कियाकार्यक्रम में वर्तमान प्राचार्य बी.एस. रामकुमार का सम्मान किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस आयोजन को विद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह की महत्वपूर्ण गतिविधियों में शामिल किया। उल्लेखनीय है कि बस्तर हाई स्कूल अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।समारोह में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए तथा आगामी नवंबर में आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह के लिए सहयोग का संकल्प भी लिया। वर्ष 1978 बैच की ओर से इंजी. बी. वासुदेव राव ने आज़ादी के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्थापित शिलालेख का पुनर्स्थापन एवं सौंदर्यीकरण कराने की जानकारी दी।कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक किरण देव भी अपने सहपाठी और मित्र के रूप में शामिल हुए। इस दौरान ÷याराना-1978 की ओर से धरमपुरा स्थित एजुकेशन हब में राधाकृष्णन की प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर विधायक ने सहर्ष सहमति जताई।आयोजकों ने बताया कि याराना-1978 समूह अब तक देश के विभिन्न शहरों में सात स्नेह मिलन समारोह आयोजित कर चुका है, जिनमें बैच के सदस्य अपने परिवारों के साथ शामिल होते रहे हैं।

बुजुर्ग महिला के घर की छत मरम्मत और रुकी वृद्धा पेंशन की समस्या पर सहायता का दिया आश्वासन

वार्ड-6 का निरीक्षण कर पार्षद गोपीनाथ ने लोगों से समस्याओं की जानकारी ली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल,7 जुलाई। नगर पालिका परिषद किरंदुल के वार्ड क्रमांक 06 के पार्षद गोपीनाथ मंगलवार को अपने नियमित वार्ड निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याओं का जायजा लेने निकले। निरीक्षण के दौरान वे वार्ड की बुजुर्ग महिला श्रीमती छाया बनिक के घर पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी पारिवारिक एवं आर्थिक कठिनाइयों को करीब से देखा और सुना।श्रीमती बनिक ने बताया कि हाल ही में हुई तेज बारिश और तेज हवाओं के कारण उनके मकान की छत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। छत से कई स्थानों पर पानी टपकता है, जिससे घर में रहना मुश्किल हो गया है। उन्होंने अस्थायी रूप से छत पर छोटे-छोटे टिन एवं अन्य सामग्री रखकर पानी रोकने का प्रयास किया है, लेकिन स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है।

एक कमरे में गुजर-बसर, आर्थिक तंगी से बढ़ी परेशानी

बुजुर्ग महिला ने बताया कि उनके पास नया घर बनाने या छत की मरम्मत कराने के लिए आर्थिक संसाधन नहीं हैं। एक ही कमरे में भोजन बनाना, सोना, बैठना तथा दैनिक उपयोग की सभी सामग्री रखना उनकी मजबूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें कई महीनों से शासन की वृद्धा पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। अपनी व्यथा सुनाते-सुनाते वे भावुक होकर रो पड़ीं।

भारी बारिश से वार्ड में कई स्थानों पर आई समस्याएं

पार्षद ने बताया कि पिछले छह से सात दिनों से लगातार तेज हवा के साथ हुई भारी वर्षा के कारण वार्ड के विभिन्न हिस्सों में छोटी-बड़ी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। जिन समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, उन्हें तत्काल कराया जा रहा है। वहीं जिन कार्यों के लिए प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद की आवश्यकता है, उनके लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्ताव रखकर शीघ्र समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण होगा तथा जरूरतमंदों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा।

पार्षद ने हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

पार्षद श्री गोपीनाथ ने बुजुर्ग महिला को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनके घर की छत की मरम्मत अथवा नई छत बनवाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे तथा रुकी हुई वृद्धा पेंशन शीघ्र दिलाने के लिए संबंधित विभाग से आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

चोखनपाल के ग्रामीणों ने निर्मित सड़क में 8 जगह पाइप लगाने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 7 जुलाई। ग्राम पंचायत गोंगला के आश्रित ग्राम चोखनपाल के ग्रामीणों की सड़क में जल निकासी की गंभीर समस्या को लेकर भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक के.जी. सुधाकर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा से दूरभाष पर संपर्क कर समस्याओं की जानकारी दी। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एसडीएम जागेश्वर कौशल को ज्ञापन देकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई।ज्ञापन में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत चोखनपाल से मर्रीवाड़ा तक सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन सड़क निर्माण के दौरान कई स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुल-पुलिया एवं पाइप नहीं लगाए गए। इसके चलते बारिश का पानी खेतों में भर रहा है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सड़क के 8 स्थानों पर पाइप लगाकर जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है।भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक के.जी. सुधाकर ने दूरभाष पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा को पूरे मामले से अवगत कराया। महेश गागड़ा ने ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।ज्ञापन में ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि बारिश के मौसम को देखते हुए पाइप लगाने की स्वीकृति एवं कार्य जल्द शुरू कराया जाए, ताकि खेतों में जलभराव की समस्या और आवागमन के दौरान होने वाली दिक्कतों से निजात मिल सके।इस दौरान के.जी. सुधाकर ने कहा कि भाजपा हमेशा किसानों और ग्रामीणों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी उनकी समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाकर त्वरित समाधान कराने के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी। ज्ञापन में चोखनपाल के कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर एवं अंगूठे के निशान भी संलग्न किए गए हैं।

धान खरीदी के लिए 31 अक्टूबर तक होगा नवीन पंजीयन

कांकेर, 7 जुलाई । राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए नवीन किसान पंजीयन, पंजीकृत किसानों का खसरा मैपिंग, बैंक विवरण संशोधन एग्रीस्टेक पोर्टल में अथोराईजेशन माड्यूल का प्रयोग कर अधिया, रेगहा हेतु नॉमिनी पंजीयन और वनाधिकार पट्टाधारी व डूबान कृषकों, संस्थागत, ट्रस्ट का नवीन पंजीयन 01 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। नॉमिनी संशोधन 01 जुलाई से धान खरीदी अवधि तक एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से फसल की प्रविष्टि 15 अगस्त से 31 अगस्त तक विभागीय वेबसाईट fcs.cg.gov.in के ऑनलाईन सोसायटी मॉड्यूल में किया जाएगा। गत वर्ष 2025-26 में पंजीकृत किसानों को वर्तमान वर्ष 2026-27 में पंजीकृत माना जाएगा।वर्तमान वर्ष 2026-27 में वनाधिकार पट्टाधारी एवं डूबान कृषकों का नवीन पंजीयन हेतु कम्पार्टमेंट नंबर, नॉमिनी, कृषक का आधार एवं रकबा की प्रविष्टि तथा विगत वर्ष में पंजीकृत संस्थागत ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन हेतु प्रतिनिधि, संस्था का रजिस्ट्रेशन नंबर प्रविष्टि जिला कार्यालय खाद्य शाखा कांकेर में किया जाएगा।

दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय प्रारंभ करने राजेंद्र सिंह ठाकुर ने विधायक चैतराम अटामी को सौंपा मांग पत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 7 जुलाई। भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह ठाकुर ने दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी को ज्ञापन सौंपकर दंतेवाड़ा जिले में विधि महाविद्यालय (एलएलबी) का संचालन प्रारंभ कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिला बस्तर संभाग में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां दंतेवाड़ा सहित सुकमा एवं बीजापुर जिले के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। इसके बावजूद जिले में विधि शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं होना क्षेत्र के युवाओं के लिए चिंता का विषय है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में दंतेवाड़ा में विधि शिक्षा प्रारंभ करने की पहल की गई थी। शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रवेश प्रक्रिया जैसी आवश्यक तैयारियां भी की गई थीं, लेकिन आवश्यक मान्यताओं एवं औपचारिकताओं के अभाव में यह प्रयास आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद से आज तक जिले में विधि महाविद्यालय के संचालन को लेकर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी है, जिससे कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्यार्थियों को अन्य जिलों एवं बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है। राजेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि दंतेवाड़ा को शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां दक्षिण बस्तर के दूरस्थ अंचलों से विद्यार्थी बेहतर शिक्षा की उम्मीद लेकर आते हैं। सुकमा एवं बीजापुर जैसे जिलों के अनेक छात्र-छात्राएं भी दंतेवाड़ा में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं। ऐसे में विधि महाविद्यालय का अभाव हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए बाहर जाकर कानून की पढ़ाई करना आसान नहीं होता, जिसके कारण अनेक प्रतिभाशाली युवा अपनी इच्छा के बावजूद विधि शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित मानकों एवं आवश्यक अधोसंरचना की पूर्ति सुनिश्चित की जाए तो दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय का संचालन संभव है। इससे न केवल स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, बल्कि पूरे दक्षिण बस्तर क्षेत्र में विधिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित होंगे।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि दंतेवाड़ा जैसे महत्वपूर्ण जिले में विधि शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराना समय की मांग है, किंतु प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित गंभीरता एवं जनप्रतिनिधियों के सतत प्रयासों के अभाव में यह विषय लंबे समय से उपेक्षित बना हुआ है। क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों की ओर से लगातार इस मांग को उठाया जाता रहा है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया है। राजेंद्र सिंह ठाकुर ने विधायक चैतराम अटामी से आग्रह किया कि वे इस महत्वपूर्ण छात्रहितैषी विषय को राज्य शासन एवं संबंधित विभागों के समक्ष प्रमुखता से उठाएं तथा दंतेवाड़ा में विधि महाविद्यालय के संचालन हेतु आवश्यक पहल करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस दिशा में सकारात्मक प्रयास होने पर दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर सहित पूरे दक्षिण बस्तर के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा और क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए आयाम स्थापित होंगे।

किरंदुल बस स्टैंड में सर्वसुविधायुक्त सरदार वल्लभ भाई पटेल लाइब्रेरी का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल,7 जुलाई। औद्योगिक नगर किरंदुल के हृदय स्थल बस स्टैंड परिसर में आम नागरिकों के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल लाइब्रेरी का शुभारंभ हो चुका है। यह पुस्तकालय नगरवासियों के शैक्षणिक, बौद्धिक एवं सामान्य ज्ञान के विकास को समर्पित एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है। इस सर्वसुविधायुक्त पुस्तकालय की स्थापना एमएमडब्ल्यूयू इंटक यूनियन द्वारा की गई है, जिसकी नगरभर में व्यापक सराहना हो रही है।

मुख्य बिंदु- बस स्टैंड परिसर में सर्वसुविधायुक्त पुस्तकालय का शुभारंभ। एमएमडब्ल्यूयू-इंटक यूनियन की जनहित में ऐतिहासिक पहल। यूनियन सचिव श्री ए. के. सिंह के अथक प्रयासों से हुआ सपना साकार। बच्चों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सहित सभी वर्गों को मिलेगा लाभ। शांत वातावरण में अध्ययन और सामान्य ज्ञान बढ़ाने का मिलेगा अवसर। स्थानीय नागरिकों ने की कैरम, शतरंज एवं पुस्तकालय का समय बढ़ाने की मांग।

नगरवासियों का कहना है कि किरंदुल में पहली बार किसी श्रमिक यूनियन ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए स्थायी रूप से सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना की है। यह केवल किताबों का संग्रह नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार, बौद्धिक विकास और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाला ज्ञान का केंद्र बनने जा रहा है।इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की ज्ञानवर्धक, प्रतियोगी परीक्षाओं, साहित्य, इतिहास, विज्ञान, धर्म, संस्कृति तथा समसामयिक विषयों से संबंधित पुस्तकों का संग्रह किया गया है। अब विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा पुस्तक प्रेमियों को एक शांत और व्यवस्थित वातावरण में प्रतिदिन एक से दो घंटे बैठकर अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।इस सराहनीय कार्य का अधिकांश श्रेय एमएमडब्ल्यूयू-इंटक यूनियन के सचिव श्री ए. के. सिंह को दिया जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि श्री सिंह ने इस पुस्तकालय की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत, समर्पण और दूरदर्शिता का परिचय दिया। उनके प्रयासों से आज किरंदुल को ऐसा सार्वजनिक पुस्तकालय मिला है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा।

नागरिकों ने दिए रचनात्मक सुझाव

पुस्तकालय के शुभारंभ के बाद खिलाड़ियों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने भी कुछ सकारात्मक सुझाव दिए हैं। उन्होंने आग्रह किया है कि पुस्तकालय के एक हिस्से में कैरम बोर्ड, शतरंज (चेस) एवं अन्य बौद्धिक खेलों की व्यवस्था भी की जाए, ताकि युवाओं और खिलाड़ियों को मानसिक विकास एवं प्रतियोगिताओं की तैयारी का अवसर मिल सके।साथ ही यह मांग भी उठी है कि पुस्तकालय का संचालन सुबह और शाम दो पालियों में लगभग तीन-तीन घंटे किया जाए, जिससे विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग और अन्य नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार इसका लाभ उठा सकें।नगरवासियों का विश्वास है कि एमएमडब्ल्यूयू-इंटक यूनियन एवं उसके सचिव श्री ए. के. सिंह इन सुझावों पर गंभीरता से विचार करेंगे और भविष्य में पुस्तकालय को और अधिक उपयोगी एवं आकर्षक बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएंगे।

समाचार संक्षेप

डीईओ ने गणवेश-पाठ्यपुस्तक वितरण, वीएसके ऐप उपस्थिति, नियमित अध्यापन का लिया जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 7 जुलाई। स्कूलों में गतिविधियों का जायजा लेने के लिए इन दिनों जिला शिक्षा अधिकारी नियमित रूप से दौरा कर रहे है। शनिवार को संकुल केंद्र दुगोली एवं नैमेड़ की विभिन्न शालाओं का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों और स्कूली व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों की वीएसके ऐप में उपस्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों के वितरण, मध्यान्ह भोजन, कक्षाओं तथा शौचालयों की साफ-सफाई का जायजा लिया।प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला दुगोली में डीईओ राजेश कुमार पाण्डे ने सभी कक्षाओं में बारहखड़ी और पहाड़ा चार्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। वहीं कन्या पोर्टा केबिन नैमेड़ एवं हाई स्कूल पोर्टा केबिन नैमेड़ का निरीक्षण कर छात्रावास की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा सभी बच्चों के लिए मच्छरदानी लगाने के निर्देश दिए।उन्होंने दोनों संस्थाओं में वीएसके ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति का अवलोकन किया तथा समय-विभाग चक्र के अनुरूप नियमित अध्यापन और शिक्षक डायरी संधारित करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी तीन दिनों के भीतर विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित शिक्षकों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार पाण्डे ने विभागीय निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर देते हुए प्रतिदिन राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र, दीप मंत्र, गुरु मंत्र, गायत्री मंत्र, शांति मंत्र के सामूहिक गायन तथा महापुरुषों की जीवनी के नियमित वाचन कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में स्वच्छ, अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना सभी शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

डुमरीपालनार में 85वीं बटालियन सीआरपीएफ के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 7 जुलाई। नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से 85वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सोमवार को ग्राम डुमरीपालनार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कमांडेंट सुनील कुमार राही के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में आसपास के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया।शिविर में डुमरीपालनार, पटेलपारा, सरपंचपारा, परगेमपारा और थिलमपारा के ग्रामीण शामिल हुए। 85वीं बटालियन के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिए।इस अवसर पर ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी बीमारियों, दूषित पानी से फैलने वाले संक्रमण, स्वच्छता बनाए रखने और सुरक्षित पेयजल के उपयोग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने समय पर उपचार कराने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की अपील की।कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि ऐसे जनहितकारी चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि 85वीं बटालियन सीआरपीएफ बीजापुर में तैनाती के बाद से लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर, जनकल्याणकारी कार्यक्रम और जागरूकता अभियान संचालित कर रही है। इससे ग्रामीणों और सुरक्षा बलों के बीच विश्वास मजबूत होने के साथ-साथ विकास कार्यों में जनसहभागिता भी बढ़ रही है।शिविर के दौरान सहायक कमांडेंट शिवांशु शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सहित 85वीं बटालियन के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

पुलिस ने मकान में छापामार जुआरियों को पकड़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 जुलाई। भिलाई वैशाली नगर पुलिस ने स्टील नगर कैम्प-1 स्थित ए. सरस्वती के मकान में छापामारी कर जुआ के फड़ का खुलासा किया है। यहां चंद्रकला उर्फ बुच्ची एवं कृष्णा देवी द्वारा 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खिलाया जा रहा था। मौके पर 10 जुआरियों को 52 पत्ती ताश से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते पाया गया। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड़ से 52 पत्ती ताश, नगदी रकम 44,100 तथा 09 मोबाइल फोन जप्त किए गए। आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के अंतर्गत अपराध पाए जाने पर थाना वैशाली नगर में धारा 4 एवं 5 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई किया गया। पकड़े गए आरोपियों में महेश कुमार, निवासी कैम्प-1, सड़क नं. 18, दुबे आटा चक्की के पास, भिलाई, सुरेन्द्र प्रसाद, निवासी सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई, आर. राजु राव, निवासी आंध्रा स्कूल के पास, कैम्प-1, भिलाई, राजेश सोनी, निवासी सड़क नं. 18, सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई, पी. तरुण, निवासी कैम्प-1, सड़क नं. 18, भिलाई, के. प्रवीण कुमार, निवासी प्रज्ञा विद्यालय के पास, सड़क नं. 18, कैम्प-1, भिलाई, भुजंग राव, निवासी मदर टेरेसा नगर, कैम्प-1, भिलाई, मोहम्मद आजाद, निवासी मुकेश ट्रेडर्स के पास, सड़क नं. 18, कैम्प-1, भिलाई, चंद्रकला उर्फ बुच्ची, निवासी सड़क नं. 18, सत्य साई होटल के पास, कैम्प-1, भिलाई एवं कृष्णा देवी, निवासी मुकेश टेलर्स के पास, भिलाई शामिल हैं।

ग्राम पंचायत सचिव पद के लिए आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 7 जुलाई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार बीजापुर जिले में ग्राम पंचायत सचिव के 01 रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बीजापुर जिले में यह भर्ती स्थानीय निवासियों के लिए की जाएगी। उम्मीदवारों से आवेदन 24 जून 2026 से 20 जुलाई 2026 तक स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक के माध्यम से आमंत्रित किए गए हैं।

एक नजर

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना की प्राक्कयन परीक्षा का परिणाम घोषित

रायगढ़, 7 जुलाई। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु 5 जुलाई 2026 को आयोजित प्राक्कयन परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, रायगढ़ ने बताया कि आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर के निर्देशों के परिपालन में परीक्षा परिणाम जारी किया गया है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी विकासखंड स्तर पर संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला रायगढ़ तथा सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में प्रदर्शित मेरिट सूची का अवलोकन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी विद्यार्थी के नाम, व्यक्तिगत विवरण अथवा अन्य अभिलेखों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, तो संबंधित विद्यार्थी को स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला रायगढ़ में दावा-आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करना होगा। डाक अथवा अन्य माध्यम से प्राप्त दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 9 जुलाई 2026 (गुरुवार) निर्धारित की गई है। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

दिव्यांगजनों के लिए दो दिवसीय उपयुक्तता प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन 8 एवं 9 जुलाई को

महासमुंद, 7 जुलाई । भारत सरकार एवं श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेंटर फॉर डिफरेंटली एबल्ड जबलपुर एवं विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में 08 एवं 09 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 से दोपहर 03:00 बजे तक दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार रायपुर में किया जा रहा है।

इस शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होना है। छत्तीसगढ़ राज्य के दिव्यांगजनों को इस प्रमाण-पत्र के लिए जबलपुर जाना होता है। राज्य के शिक्षित दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए भारत सरकार श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेंटर फॉर डिफरेंटली एब्ल्ड जबलपुर द्वारा दिव्यांगजनों को उनके दिव्यांगता का परीक्षण कर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।इस शिविर में भाग लेने के लिए दिव्यांगजन अभ्यर्थी को जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, शिक्षा एवं आयु से संबंधित प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, मोबाईल नंबर, जाति प्रमाण-पत्र (यदि आरक्षित श्रेणी से है), पासपोर्ट आकार के दो फोटो तथा पाठ्यक्रम जिसमें प्रवेश लेना चाहता हो उसका प्रवेश पत्र लाना अनिवार्य है। शिविर में आने-जाने हेतु किसी भी प्रकार का कोई मार्गव्यय देय नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर दूरभाष नंबर 0771-4044081 पर संपर्क कर सकते हैं। जिले के दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस शिविर का लाभ उठाने के लिए कहा गया है।

वैद्य सम्मेलन में औषधीय पौधों के संरक्षण व संवर्धन पर दिया जोर

कांकेर, 7 जुलाई । छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम के मुख्य आतिथ्य में आज सिंगारभाट स्थित नीलम कक्ष, काष्ठागार डिपो में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले के तीनों वनमंडलों के अंतर्गत आने वाले सभी सात विकासखंडों से बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्यों ने भाग लिया। सम्मेलन में वैद्यों ने अपने पारंपरिक औषधीय ज्ञान, जड़ी-बूटियों के उपयोग तथा उपचार पद्धतियों का आदान-प्रदान किया।

मुख्य अतिथि श्री विकास मरकाम ने वैद्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांकेर जिले के पारंपरिक वैद्य समाज सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सम्मानजनक कार्य कर रहे हैं। वैद्य न केवल जड़ी-बूटियों के माध्यम से लोगों का उपचार करते हैं, बल्कि औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ को ÷हर्बल स्टेट÷ के रूप में स्थापित करने में पारंपरिक वैद्यों की अहम भूमिका है। उन्होंने अधिक से अधिक वैद्यों से अपना पंजीयन कराने, औषधीय पौधों के माध्यम से आय बढ़ाने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। साथ ही स्कूलों में हर्बल गार्डन, औषधीय उद्यान तथा दुर्लभ औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष बल दिया। श्री मरकाम ने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 1,300 पारंपरिक वैद्यों का पंजीयन किया जा चुका है। नारायणपुर के पद्मश्री सम्मानित पारंपरिक वैद्य श्री हेमचंद मांझी का उल्लेख करते हुए उन्होंने सभी वैद्यों को अपने पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण करने तथा समाजहित में निस्वार्थ भाव से सेवा करते रहने के लिए भी प्रेरित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने कहा कि उपचार में उपयोग होने वाली जड़ी-बूटियों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण एवं सुरक्षित भंडारण अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर वर्षा ऋतु में औषधीय सामग्री के खराब होने की संभावना अधिक रहती है, इसलिए उनके उचित संरक्षण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने दुर्लभ औषधीय पौधों के संरक्षण एवं उनके संवर्धन की आवश्यकता पर भी जोर दिया।औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस. राव ने कहा कि पारंपरिक वैद्य निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने सभी वैद्यों से पंजीयन कराने का आग्रह करते हुए बताया कि जड़ी-बूटियों को पीसने, चूर्ण एवं तरल औषधि तैयार करने के लिए मशीनों की व्यवस्था की जाएगी। इच्छुक वैद्य अपने क्षेत्र के उपयुक्त गांवों में इन मशीनों की स्थापना कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल हर्बल गार्डन एवं दुर्लभ औषधीय पौधों के संरक्षण के लिए शासन द्वारा प्रोत्साहन एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सम्मेलन के दौरान विभिन्न ग्रामों से आए वैद्यों ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों, जड़ी-बूटियों की पहचान, संग्रहण, संरक्षण एवं उपचार संबंधी अपने अनुभव साझा किए।

बाढ़ आपदा एवं प्रबंधन सहित नदी-नाले की जलभराव वाले क्षेत्रों की विशेष मॉनिटरिंग एवं की तैयारियों की समीक्षा

मौसमी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी व्यवस्था सुनिश्चित करें:कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 जुलाई। सोमवार को जिला कलेक्टोरेट में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आगामी मानसून को देखते हुए वर्षा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध एवं प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा समन्वय की कमी के कारण आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नालों की साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था, जलभराव वाले स्थानों की पहचान, राहत एवं शेल्टर हाउस की व्यवस्था तथा बाढ़ अथवा अन्य आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी करें तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर लें।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जलजनित एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक जीवनरक्षक एवं सामान्य दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मात्रा में एंटी वेनम उपलब्ध रखने तथा आवश्यक एहतियाती तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। डेंगू नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्ययोजना के तहत लार्वा सर्वे, फॉगिंग, साफ-सफाई एवं जनजागरूकता गतिविधियों को निरंतर संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र केवल रेफरल अस्पताल न बनें, बल्कि अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों का स्थानीय स्तर पर ही संवेदनशीलता के साथ उपचार सुनिश्चित किया जाए।डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिन एजेंसियों को कार्य स्वीकृत हुए हैं, वे बारिश के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेजीकरण, तकनीकी स्वीकृतियां, विभागीय अनुमतियां एवं वर्क ऑर्डर की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। उन्होंने 15 अगस्त तक डीएमएफ के सभी स्वीकृत विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। बड़े विभागीय परियोजनाओं में भी यही प्रक्रिया अपनाने तथा प्रत्येक कार्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभागीय अधिकारी स्वयं नियमित निरीक्षण करें तथा मैदानी अमले को सक्रिय रखते हुए कार्य एजेंसियों की सतत निगरानी करें। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की भी समीक्षा की गई।कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में खाद एवं बीज का लगभग 80 प्रतिशत वितरण किया जा चुका है तथा समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। कलेक्टर ने किसानों को मांग के अनुरूप समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि खेती-किसानी प्रभावित न हो। उन्होंने बकेट क्लेम, संयुक्त खाताधारी किसानों द्वारा धान विक्रय, एग्रीस्टैक में किसानों के पंजीयन एवं लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों की जानकारी लेते हुए ऐसे भवनों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी विद्यालय में अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए।

जिला मुख्यालय सृजन सभा कक्षा में की कुल 46 प्रकरणों की सुनवाई

महिला आयोग ने गेल इंडिया को रायपुर किया तलब, 9 जुलाई तक 2.50 लाख रुपये देने एवं नया बोरवेल खनन के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं संभाग प्रभारी सदस्य सरला कोसरिया की अध्यक्षता में सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सृजन सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न एवं महिला अधिकारों से जुड़े प्रकरणों की जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोग की यह प्रदेश स्तर पर 409वीं तथा रायगढ़ जिले में 10वीं जनसुनवाई रही, जिसमें कुल 46 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान आयोग ने कई मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान सबसे महत्वपूर्ण मामला गेल इंडिया से जुड़ा रहा। सुनवाई में कंपनी की ओर से साइट इंजीनियर उपस्थित हुए, जबकि मूल शिकायत जिस अधिकारी के विरुद्ध थी, वह लगातार अनुपस्थित रहा। आयोग के समक्ष प्रस्तुत शिकायत में आवेदिका ने बताया कि उसकी भूमि के बीच से गेल इंडिया की गैस पाइपलाइन बिछाई गई है। पाइपलाइन के कारण उसके लगभग 400 फीट गहरे स्थायी बोरवेल का उपयोग प्रभावित हो गया है, जिसके निर्माण में लगभग 2.50 लाख रुपये खर्च हुए थे। शिकायत के अनुसार संबंधित अधिकारी द्वारा बोरवेल के उपयोग पर रोक लगाने के साथ समाधान के लिए भी सहमति नहीं दी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने गेल इंडिया के महाप्रबंधक सुरेश बाबू को 9 जुलाई 2026 को रायपुर स्थित राज्य महिला आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कंपनी को आवेदिका को 2.50 लाख रुपये का भुगतान करने अथवा नया बोरवेल खनन के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि आदेश का पालन नहीं होने की स्थिति में आवेदिका एफआईआर दर्ज कराने एवं दीवानी वाद प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्र होगी। आयोग ने फिलहाल अनावेदक क्रमांक 1, 2 एवं 3 को प्रकरण से मुक्त रखा है, जबकि मुआवजा नहीं मिलने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की संयुक्त जिम्मेदारी तय करने की बात कही है। इस मामले में अंतिम सुनवाई 9 जुलाई को रायपुर में होगी।

एक अन्य प्रकरण में पुसौर विकासखंड के पड़ीगांव हाई स्कूल में कार्यरत शिक्षिका ने विद्यालय के प्राचार्य पर मानसिक प्रताड़ना, वेतन कटौती तथा अनावश्यक परेशान करने का आरोप लगाया। शिक्षिका ने बताया कि तलाक के बाद उपनाम परिवर्तन की प्रक्रिया के दौरान भी प्राचार्य द्वारा अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। मामले की सुनवाई के बाद आयोग ने प्रथम दृष्ट्या शिकायत को प्रमाणित मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी रायगढ़ को संबंधित प्राचार्य का 15 दिनों के भीतर अन्य विकासखंड में स्थानांतरण करने की अनुशंसा की है। घरघोड़ा विकासखंड के वार्ड क्रमांक-7 मेंड्रा की मितानिन के कार्य से असंतुष्ट ग्रामीणों की शिकायत पर आयोग ने ग्राम सरपंच को आदेश की प्रति उपलब्ध कराते हुए नियमानुसार नई मितानिन की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर पांच वाहन चालकों को दी गई विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 जुलाई। जिला पंचायत कार्यालय में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विभिन्न विभागों में वर्षों तक सेवाएं देने वाले पांच वाहन चालकों को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके योगदान को याद किया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह में पशु चिकित्सा विभाग के वाहन चालक अमोल दास महिलांगे, महिला एवं बाल विकास विभाग के टीकाराम डनसेना, पशुपालन विभाग के श्रवण कुमार बागडोगी, वन विभाग के लाल बहादुर पैकरा तथा जिला पंचायत कार्यालय के तेरस मिंज को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। सभी सेवानिवृत्त वाहन चालकों को स्मृति-चिन्ह एवं शुभकामनाएं भेंट कर उनके लंबे और समर्पित सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ वाहन चालक आनंद पैकरा, अर्जुन ठाकुर, लिनियूस केरकेटा, राहुल चौहान, सलीम खान, जीवन अवचार, भानू उराव, विनोद यादव, शिव महंत, अनिल कुमार, अनिल बरेठ, संदीप टंडन, अजीत कुमार, राधेश्याम, आनंद सिंह, श्याम सिदार, राजाराम निषाद सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारिश ने बढ़ाई छातों की मांग, बिग डील में लग रही ग्राहकों की भीड़

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद, 7 जुलाई । मानसून की जोरदार दस्तक के साथ ही नगर में छातों का कारोबार रफ्तार पकड़ चुका है। लगातार हो रही बारिश के बीच लोग स्वयं को भीगने से बचाने के लिए मजबूत और आकर्षक डिज़ाइन वाले छातों की खरीदारी कर रहे हैं। इसका सीधा असर बाजार पर देखने को मिल रहा है। नगर के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान के संचालक विनोद सचदेव ने बताया रैनकोट ,छाता , विशेष छूट के तहत सीजन सीजन के हिसाब से नया बाजार रोड गार्डन के सामने स्थित बिग डील ऑफर की दुकान 20 से 70त्न में इन दिनों सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की चहल-पहल बनी हुई है।प्रतिष्ठान में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के लिए विभिन्न रंगों, डिज़ाइनों और मजबूत गुणवत्ता वाले छाते उपलब्ध हैं। किफायती कीमत और टिकाऊ गुणवत्ता के कारण ग्राहक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए दुकानदार ने पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध कराया है, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंद के अनुसार छाते आसानी से मिल रहे हैं।

बिग डील के संचालक विनोद सचदेव ने बताया—जैसे ही बारिश का दौर शुरू हुआ, छातों की मांग में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली है। हर दिन बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए आ रहे हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हमने सभी रेंज और बेहतरीन गुणवत्ता के छातों का पर्याप्त स्टॉक रखा है। हमारा प्रयास है कि हर ग्राहक को उचित मूल्य पर टिकाऊ और आकर्षक छाता उपलब्ध हो। नगरवासियों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण छाता अब जरूरत की वस्तु बन गया है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण और किफायती छाते उपलब्ध होने से लोगों को काफी सुविधा मिल रही है। व्यापारियों को भी इस मौसम में अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

टैंट-पंडाल, लाइट एवं साउंड सिस्टम के लिए निविदा आमंत्रित

रायगढ़, 7 जुलाई। जिला प्रशासन एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति द्वारा 41वें चक्रधर समारोह के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। समारोह का आयोजन आगामी 14 सितंबर से 23 सितंबर 2026 तक रायगढ़ के रामलीला मैदान में किया जाएगा।कार्यालय कलेक्टर एवं अध्यक्ष चक्रधर समारोह आयोजन समिति द्वारा जारी निविदा सूचना के अनुसार समारोह के लिए टेंट-पंडाल, प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संस्थाओं तथा फर्मों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह निविदा एक वर्ष के रेट कांट्रेक्ट के आधार पर आमंत्रित की गई है।

समाचार संक्षेप

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना-श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलेगी निजी आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा

रायगढ़, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों के बच्चों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा तथा चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभिभावक 12 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।कार्यालय सहायक श्रमायुक्त रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह योजना विशेष रूप से छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित की जा रही है। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 5वीं उत्तीर्ण की है, वे इस योजना के लिए पात्र होंगे। चयन पूरी तरह मेरिट के आधार पर किया जाएगा। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा, आवास, भोजन तथा अन्य निर्धारित शुल्कों का संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा वहन किया जाएगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।सहायक श्रमायुक्त कार्यालय ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को समान अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से भविष्य के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है।

पंजीकृत श्रमिक जल्द अपडेट कराएं अपना श्रमिक कार्ड, योजनाओं का लाभ पाने के लिए जानकारी का सत्यापन आवश्यक

रायगढ़, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के श्रमिक कार्ड में दर्ज जानकारी के सत्यापन एवं आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया लगातार जारी है। श्रम विभाग ने सभी पंजीकृत श्रमिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने श्रमिक कार्ड में दर्ज सभी जानकारियों का सत्यापन कर आवश्यक सुधार अवश्य करा लें, ताकि शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सहायक श्रमायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी श्रमिक के कार्ड में नाम (हिंदी अथवा अंग्रेजी में), जन्मतिथि, लिंग, मोबाइल नंबर, पता या अन्य व्यक्तिगत जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो उसे तत्काल संशोधित कराया जाना आवश्यक है। सही एवं अद्यतन जानकारी होने से श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी बाधा के मिल सकेगा। श्रमिक कार्ड में संशोधन की सुविधा सभी नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में उपलब्ध है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मात्र 20 रुपये के सेवा शुल्क पर श्रमिक कार्ड में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं। इसके लिए श्रमिकों को आधार कार्ड की मूल प्रति तथा सहमति पत्र के साथ ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन के साथ लगाए जाने वाले सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं पठनीय होना अनिवार्य है, ताकि संशोधन प्रक्रिया में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो।श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन श्रमिकों के कार्ड में गलत अथवा अपूर्ण जानकारी दर्ज होगी, उन्हें भविष्य में विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी पंजीकृत श्रमिक अपने श्रमिक कार्ड की जानकारी का सत्यापन कर आवश्यक संशोधन अवश्य कराएं।

जिले में 210.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 7 जुलाई। रायगढ़ जिले में 6 जुलाई तक 210.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 60 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 335.8 मिली मीटर, पुसौर में 210.8, खरसिया में 196.7, घरघोड़ा में 134.6, तमनार में 328.5, लैलूंगा में 166, मुकडेगा में 131.8, धरमजयगढ़ में 137.4, छाल में 204.2 एवं कापू में 257 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

डॉ.मुखर्जी का जीवन राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और संकल्प का प्रेरक उदाहरण:ओपी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 जुलाई । देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर पुरोधा, प्रखर शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय में व्याख्यान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया तथा उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान को नमन किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग, शिक्षा, सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा और अदम्य साहस का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने व्यक्तिगत हितों से ऊपर राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान दिया और भारतीय लोकतंत्र तथा राष्ट्रीय एकता को नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्र के प्रति योगदान का भी स्मरण किया।

सकारात्मक सोच, स्पष्ट लक्ष्य और अनुशासन ही सफलता की कुंजी

युवाओं को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच से प्राप्त होती है। व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही बनता है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय से पहले उसके परिणामों पर विचार करना चाहिए तथा अपने निर्णयों की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार करनी चाहिए। असफलताओं के लिए दूसरों को दोष देने के बजाय आत्ममंथन और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आधुनिकता के साथ अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं पर गर्व करने का भी आह्वान किया।

युवा संवाद में विद्यार्थियों के सवालों का दिया जवाब

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए प्रशासनिक सेवा, प्रतियोगी परीक्षाओं, महिला सशक्तिकरण, व्यक्तित्व विकास एवं स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रशासनिक सेवा में करियर संबंधी प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का प्रभावी माध्यम है। इसके लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासित अध्ययन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए विशेष योजना के तहत दिल्ली भेज रही है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का बेहतर अवसर मिल सके। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर उन्होंने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। समय का सदुपयोग, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, आत्मअनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां भी मजबूत संकल्प रखने वाले व्यक्ति की राह नहीं रोक सकतीं।

बेटियों को आगे बढ़ने के लिए अवसरों का लाभ उठाना होगा

महिला सशक्तिकरण पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि बेटियां आत्मविश्वास के साथ उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाते हुए अपने सपनों को साकार करें।

स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन सफलता की पहली शर्त

स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री चौधरी ने युवाओं को नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और व्यायाम अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही किसी भी बड़ी सफलता की पहली शर्त हैं। कार्यक्रम में महापौर श्री जीवर्धन चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, नगर निगम सभापति श्री डिग्री लाल साहू, श्री गुरुपाल भल्ला, श्री विकास केडिया, श्री अरुण कातोरे, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, कुलपति डॉ. विनय चौहान सहित विश्वविद्यालय परिवार के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर कुलसचिव डॉ. तरुणधर दीवान ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो : राज्यपाल

रायपुर, 7 जुलाई। राज्यपाल रमेन डेका ने आज भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित प्रणवानंद अकादमी में रोबोटिक्स लैबोरेट्री का लोकार्पण किया। इस लैबोरेट्री की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेछानुदान मद से राशि प्रदान की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने संबोधन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स जैसे तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाते है। लेकिन आधुनिक तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग मानव जीवन के कल्याण और समाज के विकास के लिए किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों से नहीं होती, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों से होती है जो ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दें। प्रणवानंद अकादमी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देती है यह प्रसन्नता का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकें विश्व को नई दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। कोई भी नया आविष्कार या नवाचार मानवता के हित में होना चाहिए। मानव पर खुद का नियंत्रण होना चाहिए न कि कोई तकनीक उसे नियंत्रित करे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों का संदेश देते हुए कहा कि जीवन में संतोष का विशेष महत्व है। हमें जो प्राप्त है, उसमें प्रसन्न रहना सीखना चाहिए तथा कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव एवं चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन गिरने के बाद फिर से उठना और आगे बढ़ना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें क्या दिया, यह सोचने के बजाय हमें यह विचार करना चाहिए कि हम समाज को क्या दे सकते हैं। समाज के प्रति सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और पड़ोसियों के प्रति आत्मीयता की भावना हमारे जीवन में आनंद लाता है। कार्यक्रम में अकादमी के अध्यक्ष स्वामी शिवरूपानंद ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा प्राचार्य श्रीमती नीति यदुवंशी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

बारिश से सेमरियाघाट शिवनाथ नदी पुल डूबा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 7 जुलाई। बीते रविवार को अंचल मे हुई लगातार तेज बारिश के पानी से क्षेत्र मे पानी लबालब हो गया खेत, खलिहान, नदी तालाब, लबालब हो गये वहीं शहर से 7 कि.मी.दूर शिवनाथ नदी सेमरिया घाट पुल बारिश के पानी व उपरी जल प्रवाह से नदी का पुल डूब गया जिससे पुल के उपर से आवागमन बंद हो गया शाम तक नदी का जल स्तर पुल के उपर दो फिट से उपर पानी बह रहा है, सुरक्षा की दृष्टि से नदी के तट पर ग्रामीण थाना के पुलिस बल को तैनात किया गया है, वही इस साल बारिश का मौसम शुरू होने के बाद पहली बार लगातार 24 घंटे रूक रूक कर तेज व मध्यम बारिश हुई।

एक नजर

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर, 7 जुलाई। प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आज लोक भवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण सभी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर 7 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रख्यात शिक्षाविद् और राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मां भारती के सच्चे सपूत थे, जिन्होंने राष्ट्र की अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान देते हुए संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए समर्पित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के दिखाए पथ पर अग्रसर होते हुए हम विकसित और सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

कंप्यूटर आपरेटर के लिएआवेदन 10 जुलाई तक

सिमगा, 7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ज़िला शिक्षा अधिकारी बलौदा बाज़ार के द्वारा कार्यालय विकास खंड शिक्षा अधिकारी सिमगा के लिए मनसेवी कंप्यूटर ऑपरेटर के दो पद दिए गए है। जिनमें चयन के लिए 10 जुलाई तक आवेदन लिए जाएँगे आवेदन कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिमगा में जमा कर सकते है।

स्वस्थ छग करेगा विकसित छग का निर्माण : साय

103 करोड़ रुपये से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन | **200** सीटर छात्रावास, कैंसर भवन विस्तार व आवासीय परिसर का होगा निर्माण

रायपुर, 7 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह, चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ रुपये से अधिक लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की भी सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर लाखों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया है। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, छात्रावास एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से पहले एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

भीमसेनी एकादशी पर भजन मंडली प्रमुखों,समाजसेवकों का सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 7 जुलाई। सर्व धर्म प्रेमी पूर्व प्राचार्य शिवलाल यादव ने बताया कि भीमसेनी एकादशी के पावन अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम शीतला माता मंदिर मातादेवालय मंदिर मे किया गया इस अवसर पर 40 महिला पुरूष सेवा भजन मण्डली प्रमुखों एवं 111 समाज सेवक प्रमुखो का सम्मान गीता, प्रसाद एवं 101 रूपये की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया जिसमे प्रमुख रूप से महिला पुरूष सेव भजन मण्डली प्रमुख पुष्पा, मनीष, मंजू पाण्डेय, सया कंवरे, रत्ना दीक्षित, सरोज यादव, समाज सेवा प्रमुख गणो मे इन्द्र साव विधायक, शिवरतन शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व विधायक, अश्वनी शर्मा अध्यक्ष न.पा., दिलीप छाबडिया, डा.प्रभाशंकर पाण्डेय, डा.पूजा भृगु, जगदीश प्रसाद दीक्षित अधिवक्ता, प्रकाश महराज, ओम जोशी, आनंद शर्मा, उमेश शर्मा, अनिल मिश्रा, मोतीलाल अधिवक्ता, डी.के.मिश्रा, गोविंद बिस्सा, डा. वासुदेव ठाकुर, योगेश पोपट, डा. अनिता वर्मा आदि के अलावा सभी प्रबुद्ध जनो का सम्मान किया गया, शिवलाल यादव ने सर्व धर्मप्रेमियों के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए आभार प्रगट किया।

मानपुर चौक पर शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ भाजपा मंडल ने थाने का घेराव किया,ज्ञापन सौंपकर बंद कराने दिया 7 दिन का समय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 7 जुलाई। कुसुमकसा मंडल के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 930 मानपुर चौक मे खुलेआम दिनदहाड़े अवैध शराब की बिक्री किया जाता है जिसके कारण स्कूल में पढ़ने लिखने वाले बच्चों व महिलाएं रोजाना सायकल से दल्ली राजहरा जाते है।

मानपुर चौक में अवैध शराब विक्रय के कारण वहां पर शराबियों का अड्डा बना रहता है जिसके कारण स्कूली बच्चों को आने-जाने में असहज महसूस होता है व राष्ट्रीय मार्ग होने के कारण रोजाना 300 से 400 ट्रक के वहां से गुजरती है जिसमे ट्रक ड्राइवर वहीं से शराब विक्रय कर नशे की हालत में गाड़ी चलाते है जिसके कारण आए दिन कुछ ना कुछ घटना बालोद जिला में निरंतर होते रहती है। इसकी शिकायत कई बार दल्ली राजहरा मंडल व पदाधिकारी के द्वारा थाना प्रभारी को दे चुके है।

बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुआ है भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में मंडल के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता गण मोर्चा लेकर थाना का घेराव किये व थाना प्रभारी से मुलाकात कर ज्ञापन दिए और मंडल अध्यक्ष ने थाना प्रभारी से कहा आखिर किसके संरक्षण में या खुलेआम अवैध विक्रय हो रहा है जो दिनदहाड़े कुसुमकसा व घोटिया भट्टी से शराब लाकर अवैध रूप से विक्रय कर रहे हैं। अगर 7 दिन के अंदर अवैध शराब बिक्री बंद नहीं होता है तो कुसुमकसा मण्डल के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता गण सामूहिक रूप से मानपुर चौक मे धरना पर बैठेंगे जिसके संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की रहेगी। भाजपा मंडल अध्यक्ष के साथ महामंत्री मितेन्द्र वैष्णव, पोषण भुआर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष कुंती देवांगन पार्षद गण सुनीता गुप्ता भिखी मसिया जनपद सदस्य आशा आर्य, झमित बाई धनेंद्र बलवंत साहू मदन कोरेटी देहरा राम मंडल मंत्री मंजू चक्रधारी मण्डल उपाध्यक्ष लता पैथोड़े रोहित कुमार शक्ति केंद्र प्रभारी हेमंत साहू युवा मोर्चा अध्यक्ष सचिन साहू कमलेश्वर साहू अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष पूरन करपल संदीप साहू युवा मोर्चा महामंत्री प्रवीण सेन मनोज भंडारी चंद्र प्रकाश सेत राम साहू पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष ललित पटेल प्रताप सिंह तुलसी सिन्हा एल्डरमैन भारत भाई पटेल ब्रिज मणि यादव पार्षद लल्लू टेकाम अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष प्यारेलाल सहित भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जयंती पर किया नमन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 7 जुलाई। शहर भाजपा मंडल द्वारा सोमवार को स्थानीय विश्रामगृह में पार्टी के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर नमन किया है इस दौरान मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष रामजी भारती, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील चीकू जैन, न पा अध्यक्ष रमन डोंगरे और अमित जैन ने डॉ साहब प्रसाद मुखर्जी के विचारों को सबके बीच रखा। कहा कि वक्ता के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (6 जुलाई 1901 ङ्क 23 जून 1953) एक महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक जनक थे। 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा देने वाले मुखर्जी ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया था। वे जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाने के लिए लागू परमिट सिस्टम का उन्होंने कड़ा विरोध किया। उनका मानना था कि 'एक देश में दो विधान' नहीं चल सकते। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में नज़रबंदी के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

नाम परिवर्तन

मैं गणपत सिन्हा पिता श्री गौचंद सिन्हा जाति कलार निवासी ग्राम राका डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.) छत्तीसगढ़ ने अपना नाम गनपत कुमार से बदल कर गणपत सिन्हा रख लिया है ।

गणपत
हस्ताक्षर

बाढ़ से एहतियात

सिमगा, 7 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शिवनाथ नदी के जल स्तर बढ़ने से पुराने पुल सिमगा और बेमेतरा के बीच कभी भी बाढ़ की स्थिति में मार्ग अवरुद्ध हो सकता है जिससे जन हानि हो सकती है इस कठिन परिस्थिति को देखते हुए सिमगा पुलिस ने पुल के दोनों बेरीकेड लगा दी है ताकि कोई वाहन आ जा ना सके और कोई घटना ना हो।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
संशोधित प्रकाशन

दिनांक 02.07.2026

मंडल कार्यालय द्वारा दिनांक 25.06.2026 को आमंत्रित निविदाओं हेतु जारी प्रकाशन में हुई टकन त्रुटियों पर सुधार कर, निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

एन.आई.टी क्र./ निविदा क्र.	पूर्व में अंकित कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	वर्तमान में संशोधित कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4	5
NIT NO. 139 Tender No. 194291	लोक निर्माण विभाग संभाग महासमुंद अंतर्गत उपसंभाग क्र. 1 एवं क्र. 2 हेतु पेटी बाजार सामग्री प्रदाय कार्य।	रू.15.00 लाख	लोक निर्माण विभाग संभाग महासमुंद अंतर्गत उपसंभाग पिथौरा एवं सरायपाली हेतु पेटी बाजार सामग्री प्रदाय कार्य।	रू. 15.00 लाख

निविदा डाउलोड करने की अंतिम तिथी दिनांक 15.07.2026 हैं। निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

जी- 262701918/4

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	194297 चतुर्थ आमंत्रण 25.06.2026	पी.एम.उषा योजनांतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के एकीकृत परीक्षा हॉल (प्रथम तल) भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग्स एवं विद्युतीकरण सहित, जमा कार्य।	308.77
2	194310 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला सुकमा विकासखण्ड कोन्टा के ग्राम उरसंगाल में 100 सीटर छत्रावास भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित, जमा मद।	238.02
3	194311 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला महासमुंद के बडेसाजापाली से करांभनियाडीपा से हेडसपाली पहुंच मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	494.24
4	194312 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला जशपुर के भेलवा से खाडुंग मार्ग पर खाडुंग नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	474.98
5	194313 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	रायगढ़ में शासकीय पालूराम धनानिया वाणिज्य कला एवं विधि महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि एवं विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	582.18
6	194315 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला धमतरी के राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई (राज्य मार्ग क्र. 23) के कि.मी. 66/8 से 70/2 = 3.50 कि.मी. आमदी नगर पंचायत में 4 लेन गौरव पथ एवं सौंदर्यीकरण निर्माण कार्य।	1926.10
7	194317 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला बस्तर के डिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बैडमिंटन हॉल एवं जिम का निर्माण कार्य, जमा मद।	349.24
8	194322 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला राजनांदगांव के डोंगरगढ़ में विपश्यना केन्द्र पहुंच मार्ग (प्रज्ञागिरी बौद्ध तीर्थ) मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	567.75
9	194323 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला धमतरी के मेघा बस्ती से शमशान घाट एवं गौठान पहुंच मार्ग लंबाई 1.55 कि.मी. निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	202.70
10	194328 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला बिलासपुर के चोरहादेवरी-परसदा मार्ग खारून नदी में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	768.16
11	194329 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला बिलासपुर के चितावार अमोरा मार्ग में मनियारी नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	350.78
12	194397 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सूरजपुर के भवन निर्माण कार्य, जमा मद।	419.03
13	194399 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला रायगढ के दुरटुरा गम्हार मार्ग के मध्य खारून नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	622.43
14	194400 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला बिलासपुर के खोंगसरा-पीपरखुटी मार्ग में टेडगी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	450.40
15	194433 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला मुख्यालय अंबिकापुर जिला सरगुजा (अंबिकापुर) के कोर्ट मैनेजर, प्रशासनिक अधिकारी एवं तृतीय/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए कुल 106 नग (2 नग एफ 23 नग जी, 45 नग एच एवं 36 नग आई टाईप शासकीय आवास गृह का निर्माण कार्य।)	1274.09
16	194435 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला बिलासपुर के पोडी- ऑक डी लावर मार्ग के अरपा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	638.52
17	194438 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	जिला बिलासपुर के दगोरी- निपनिया मार्ग में शिवनाथ नदी पर चुराघाट के पास उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1112.99
18	194443 प्रथम आमंत्रण 30.06.2026	सरिया में विश्राम भवन 1 नग जी-टाईप, 2 नग आई- टाईप, क्वार्टर भवन का निर्माण, वा.स.से.फि विद्युतीकरण, बाउण्ड्रीवाल एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	231.88

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 01 दिनांक 13.07.2026, सं.क्र. 02 से सं.क्र. 09 दिनांक 16.07.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 22.07.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-262701898/12

एक नजर

बल्क वेस्ट जनरेटर्स के पंजीयन के लिए निकायों को परिपत्र जारी

रायपुर, 7 जुलाई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी निकायों में बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने संचालनालय से इस संबंध में सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने परिपत्र जारी कर निकायों को जानकारी दी है कि केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा वेस्ट जनरेटर के पंजीयन के लिए केन्द्रीकृत पोर्टल तैयार किया गया है। बल्क वेस्ट जनरेटर के पंजीयन के लिए केन्द्रीकृत पोर्टल https://swm.cpcb.gov.in 1 जून 2026 से प्रभावशील है। भारत सरकार द्वारा जारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के अनुसार चिन्हांकित सभी बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन केन्द्रीकृत पोर्टल पर किया जाना है। विभाग ने सभी निकायों को परिपत्र जारी कर केन्द्रीकृत पोर्टल पर चिन्हांकित सभी बल्क वेस्ट जनरेटर्स का पंजीयन कराना सुनिश्चित करने को कहा है।

पूर्व पार्षद रमेश आहूजा को जन्मदिन की बधाई

रायपुर, 7 जुलाई। नहर पारा विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रमेश आहूजा के जन्मदिन पर विकास समिति के कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप सिंग चावला, संरक्षक शंकर लाल दानवानी, पूर्व मुखी अमर वालेचा, तथा कार्यकारी सदस्य अमृतलाल पंजवानी, हेमंतदास पोपटनी, मनोहर खुर्शीजा, ने आहूजा को जन्मदिन कि बधाई एवं गुलदस्ता भेट कर मिठाई खिलाई।

छत्तीसगढ़ में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग

रायपुर, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर राज्य के सभी शासकीय और निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन 'नो बैग डे' लागू करने की मांग की है।मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में इदरीस गांधी ने कहा है कि विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम करने और उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सप्ताह में एक दिन बिना स्कूल बैग के विद्यालय बुलाया जाए। इस दिन पारंपरिक कक्षाओं के स्थान पर जीवनोपयोगी और व्यवहारिक विषयों पर गतिविधि आधारित शिक्षण कराया जाए। उन्होंने सुझाव दिया है कि प्राथमिक उपचार, साइबर सुरक्षा, यातायात नियम, पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय साक्षरता, योग, खेलकूद, स्थानीय कला, व्यक्तित्व विकास और कौशल आधारित प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों को 'नो बैग डे' के दौरान शामिल किया जाए।इदरीस गांधी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कर्नाटक सहित देश के कुछ राज्यों में गतिविधि-आधारित शिक्षण और 'नो बैग डे' जैसी पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

निधन

आशीष दुबे

रायपुर, 7 जुलाई। आशीष दुबे (पुत्र स्व. अदालत प्रसाद दुबे) निवासी महासमुंद का

लंबी बीमारी के बाद आज दुखद निधन हो गया है। अंतिम यात्रा आज शाम 4.30 बजे निवास स्थान मकान नंबर एफ-1, वुड आइलैंड फेस 2 अमलेश्वर रायपुर से महादेव घाट रायपुर के लिये निकलेंगी। वे श्रीमती गीता दुबे के ज्येष्ठ पुत्र, बलदेव दुबे तथा राजू दुबे के भाई थे। इनकी धर्म पत्नी शालिनी दुबे तथा पुत्र धैर्य दुबे है।

शिक्षा व स्वास्थ्य सहित कई योजनाएं स्वीकृत

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ली जिला प्रशासन व डीएमएफ शासी परिषद के सदस्यों की बैठक

रायपुर, 7 जुलाई। नकटी गांव में हालिया प्रशासनिक कार्रवाई के बाद जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और जिला खनिज संस्थान न्यास राशि परिषद के सदस्यों के बीच कलेक्ट्रेट स्थित रेड क्रॉस सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई।

बैठक में करीब 37 करोड़ रुपये के डीएमएफ के उपयोग को लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पर्यावरण और ग्रामीण विकास से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि डीएमएफ का प्रत्येक रुपया जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और इसका उपयोग केवल जनहित तथा बुनियादी सुविधाओं के विकास में हो। सांसद ने अधिकारियों को सभी स्वीकृत कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षा के लिए 13 करोड़ रुपये का प्रावधान: इस बैठक में आत्मानंद स्कूलों के संचालन के लिए अतिथि शिक्षकों के वेतन मद में 8 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। वहीं सरकारी स्कूलों में आधुनिक शिक्षा व्यवस्था विकसित करने के लिए 5 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट क्लासरूम तैयार किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 8.30 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। अधिकारियों को अधूरी पाइपलाइन परियोजनाएं जल्द पूरी करने तथा गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए वाटर रिचार्ज कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। पर्यावरण संरक्षण को लेकर सांसद ने सख्त रुख अपनाते हुए इस मद की राशि 60 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले की बंद पड़ी खदानों की फेंसिंग और व्यवस्थितीकरण कर दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की बात कही।

स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 6 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इसके तहत जिले के प्रत्येक ब्लॉक में एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। मेडिकल कॉलेज में गंभीर मरीजों की दवाइयों के लिए 50 लाख रुपये अलग से मंजूर किए गए।

ग्रामीण विकास और अन्य योजनाओं को भी मिली मंजूरी

बैठक में 348 गांवों में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने में सहायता, लंबित 14 हजार मामलों के त्वरित निराकरण, अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति, मॉडल महतारी सदन के निर्माण, आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार, कौशल विकास तथा पशुपालन विभाग के लिए भी वित्तीय प्रावधान किए गए। बैठक में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा, इंद्र कुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, डीएमएफ शासी परिषद के नवनियुक्त सदस्य, कलेक्टर गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून सत्र से पहले साय ने बुलाई विधायक दल की बैठक

रायपुर, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज शाम 7 बजे नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है।

बैठक में सभी भाजपा विधायकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। सरकार इस बैठक के जरिए विधानसभा सत्र के दौरान अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। विपक्ष के संभावित मुद्दों, सदन में उठाए जाने वाले सवालों और सरकार की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

सरकार की रणनीति पर होगा मंथन

सूत्रों के अनुसार, बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही यह तय किया जाएगा कि मानसून सत्र के दौरान सरकार किन मुद्दों को प्रमुखता से सदन में रखेगी और विपक्ष के सवालों का किस प्रकार जवाब दिया जाएगा। सरकार विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा कर सकती है, ताकि विधानसभा में प्रभावी तरीके से अपना पक्ष रखा जा सके।

विपक्ष की रणनीति पर भी रहेगी नजर

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मानसून सत्र में विपक्ष सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर सकता है। ऐसे में भाजपा विधायक दल की यह बैठक सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां विधायकों को सदन में प्रभावी जवाब देने और सरकार की उपलब्धियों को मजबूती से रखने की रणनीति बताई जाएगी।

13 जुलाई से शुरू होगा मानसून सत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से 17 जुलाई तक आयोजित होगा। इस दौरान कुल पांच बैठकें प्रस्तावित हैं, जिनमें वित्तीय कार्यों, सरकारी विधेयकों और राज्यहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। सत्र से पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका से भी मुलाकात की थी। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक को सरकार की रणनीतिक तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार प्रेरणादायी : संजय श्रीवास्तव

रायपुर, 7 जुलाई। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने शंकर नगर के भारत माता चौक पर संकल्प फाउनडेशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत माता की आरती कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के महान राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर शिक्षाविद् एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक चेतना के लिए समर्पित रहा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगा का उनका संकल्प भारत की एकता और अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उनके विचार आज भी युवाओं सहित समस्त देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रहित, सुशासन, सामाजिक समरसता और जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। उनका त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगी। उनके जीवन के मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनुप खेलकर, किशोर महानंद, सुधीर चौबे, दलबींदर बेदी, राम प्रजापति, गगन, हरिवंश वर्मा, संजय कश्यप, पदम जगत, रूपक ईजारदार, प्रकाश मोरवानी, विपिन पटेल, महेश बघेल, मीना सेन, गायत्री चंद्राकर, दिलीप धनगर, देवराज महानंद, चंद्रप्रकाश प्रजापति, सीमा पिल्ले, शिव सोनपिपरे, लता जगत आदि गणमान्य उपस्थित थे।

बदलेगा 5वीं, 7वीं और 8 वीं का सिलेबस

छत्तीसगढ़िया संस्कृति पर रहेगा फोकस

रायपुर, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली पाठ्यक्रम में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने कक्षा 5वीं, 7वीं और 8वीं के सिलेबस और किताबों को अपग्रेड करने की तैयारी शुरू कर दी है। एससीईआरटी के निर्देशानुसार, 7 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक तीन महीने का एक विशेष टाइम-टेबल तैयार किया गया है। इस दौरान विषयवार कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी

पहले छत्तीसगढ़ से जुड़े कुछ पाठों को हटाए जाने पर काफी विवाद हुआ था, जिसके बाद स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने एक उच्च स्तरीय बैठक में स्थानीयता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। नई किताबें राष्ट्रीय स्तर पर हृष्टश्वक्रञ्ज के पैटर्न पर आधारित तो होंगी, लेकिन उनमें राज्य की अपनी पहचान को प्रमुखता दी जाएगी। किताबों की भाषा को सरल और बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए अनुभवी सेवानिवृत्त प्राचार्यों और विषय विशेषज्ञों की टीम को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।इससे पहले एससीईआरटी पहले चरण में कक्षा 1, 2, 3 और 6 की कुल 23 पाठ्यपुस्तकें (हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में) सफलतापूर्वक तैयार कर चुका है, जिन्हें शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू करने की मंजूरी मिल चुकी है।

नकटी में की गई तोड़-फोड़ भाजपा सरकार का आपराधिक कार्य : धनेन्द्र

रायपुर, 7 जुलाई। राजीव भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धनेन्द्र साहू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन, जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे एवं नकटी मामले की कमेटी के सदस्यों ने पत्रकार वार्ता लेकर नकटी मामले सरकार पर क्रूरता के आरोप लगा था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कहा कि नकटी में किया गया तोड़ फोड़ भाजपा सरकार की अपराधिक कार्य था। बिना किसी कार्य योजना के गरीबो के मकानो को तोड़ा गया। भाजपा सरकार ने गरीबो का मकान तोड़ कर जो क्रूरता दिखाई है। उसके चौतरफा विरोध के बाद लगातार सरकार झूठ परोस रही है। भाजपा की सरकार 50 वर्षो से नकटी गांव में रह रहे गरीबों के घर को तोड़कर अपने तानाशाही चरित्र को प्रदर्शित किया है विधायकों का आवास बनाने के लिए अन्य सरकारी जमीनों का उपयोग करना था लेकिन नकटी गांव की जनता के प्रति भाजपा की दुर्भावना सामने आई है। नकटी गांव की जनता के घरों को अवैध

बताने वाली भाजपा की सरकार जवाब दे जब वह जमीन अवैध थी वहां प्रधानमंत्री आवास कैसे बन गया नकटी में निवास कर रहे लोगों का राशन कार्ड आधार कार्ड उनके घरों पर बिजली कैसे पहुंच गई। नकटी गांव के नागरिकों से बिना चर्चा किये आधी रात को उनके घरों पर बुलडोजर चलाया गया।

बारिश के मौसम में गरीबों को घर से बेघर किया गया यह अन्याय है कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। सरकार ने वहां पर 85 मकानो को तोड़ा है, 25 से अधिक प्रधानमंत्री आवास भी तोड़ा है। प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही अब दोबारा आवास लेने के पात्र नहीं रहेंगे। अमूनन मानवीय आधार पर बारिश के समय विस्थापन की कार्यवाही नहीं की जाती है, यह छत्तीसगढ़ में 10 जून से 15 जून मानसून आने का समय माना जाता है। इस समय के बाद राज्य के जमीनों का सीमांकन भी नहीं किया जाता है। नकटी गांव में तोड़-फोड़ की कार्यवाही 29 जून को की गयी है, जो पूरी तरह से गलत और गैरकानूनी प्रक्रिया है। इस कार्यवाही में शामिल अधिकारियों के खिलाफकठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। सरकार कानूनी कार्यवाही नहीं करेगी तो हम इस मामले को लेकर कोर्ट भी जायेंगे। सरकार ने नकटी में खसरा न. 460 में तोड़ फोड़ किया है, अंकित आनंद के पत्र के अनुसार वहां पर खसरा नं. 460 के अलावा 465, 524, 698, 700, 701 सहित कुल 29.172 हेक्टयर अर्थात लगभग 72 एकड़ जमीन को खाली करायेंगे। इसका मतलब अभी खतरा पूरे गांव पर है। भाजपा सरकार ने नकटी में ग्रामीणों के मकानों को बरसात के मौसम में तोड़ने का महापाप किया है, गरीबों के आवास को उजाड़ने के बाद अपना पाप छुपाने के लिए भाजपा के नेता रोज पत्रकार वार्ता लेकर झूठ बोल रहे है। सरकार बताये कि उसने नकटी के ग्रामीणों के मकानों को क्यों तोड़ा? नया रायपुर में विधायक कॉलोनी बनाने के लिए पर्याप्त जगह होने के बाद किसके इशारे पर तथा किस मंत्री के निजी हितों को ध्यान में रखकर नकटी गांव में तोड़-फोड़ की गयी?

खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावे झूठे : कांग्रेस

रायपुर, 7 जुलाई। खाद की पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावों को किसानों के साथ भद्दा मज़ाक बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूरे प्रदेश में खाद की कमी के कारण बोनी और थरहा का काम प्रभावित हो रहा है, किसानी पिछड़ रही है लेकिन सत्ता में बैठे जिम्मेदार केवल फर्जी दावें करके अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग रहे हैं। मात्र 24 हजार टन डीएपी के कागजी आबंटन को अपनी उपलब्धि बता कर श्रेय लेने वाले भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए खुद के ही द्वारा तय लक्ष्य 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन में से केवल 7 लाख 27 हजार 833 मीट्रिक टन खाद ही किसानों को दिया गया है जो कि मांग के आधे से भी कम है। सबसे कम वितरण डीएपी और यूरिया का है जो किसानों के मांग की तुलना में चौथाई भी नहीं है। कभी किस्तों में खाद तो कभी टोकन पर देने के तुगलकी फरमान जारी किए, पिछले साल की तुलना में डीएपी में 40 प्रतिशत कटौती और यूरिया 20 प्रतिशत कम देने का आदेश? फिर टोकन सिस्टम वापस ले लिए, तय लक्ष्य का अब तक आधा भी दिए नहीं फिर यह आबंटन अतिरिक्त

कैसे? किसानों को ठगना बंद कर समस्या के समाधान पर ध्यान दे सरकार।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह पहला अवसर है जब जुलाई के महीने में भी किसानों की जरूरत के आधे मात्रा में भी खाद का वितरण नहीं किया गया है। पहले अप्रैल के महीने में ही वितरण शुरू हो जाता था और जून के महीने तक वितरण लगभग पूर्ण हो जाता था। मानसून आने से पहले ही सोसायटियों के गोदाम से होकर किसानों तक खाद पहुंच चुका होता था, अभी आबंटन जारी होने का दावा किया गया है, इस किसान विरोधी सरकार को बताना चाहिए कि कब भौतिक अलॉटमेंट होगा? कब रैक लगेगी? सोसायटियों और किसानों तक कब पहुंचेगा? सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रही है यह सरकार, बरसात में अनेकों गाँव पहुंच विहीन हो चुके हैं, ऐसे में वहां के किसान कैसे खेती कर पाएंगे?

ट्रेड लाइसेंस शुल्क पर कैट की पहल को मिली गति

रायपुर, 7 जुलाई। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेश के लाखों व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं व्यापार करने की सुगमता सुनिश्चित करने की दिशा में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ की पहल लगातार सकारात्मक परिणाम की ओर बढ़ रही है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आज मंत्रालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. संगीता (आईएएस) से विस्तृत बैठक कर छत्तीसगढ़ नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन (ट्रेड लाइसेंस) नियम, 2025 के अंतर्गत प्रस्तावित व्यापार अनुज्ञापन शुल्क वृद्धि से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यापारी हितों के मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

अवसर | अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलेगा फायदा

बैकलॉग पदों को भरने विशेष भर्ती अभियान

रायपुर, 7 जुलाई। छत्तीसगढ़ सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान शुरू किया है। जीएडी ने एसएसी निर्देश दिए हैं कि भर्ती में देरी होने पर संबंधित विभाग प्रमुख जिम्मेदार होंगे और इसका उल्लेख उनकी एसीआर में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। वहीं, फाइल दबाकर बैठने वाले अधिकारियों के लिए यह सीधी चेतावनी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आरक्षित वर्ग के बैकलॉग पदों को भरने के लिए सख्त आदेश जारी किया है।

साफ कहा गया है कि भर्ती में देरी हुई तो जिम्मेदारी सीधे विभाग प्रमुख की होगी। अब यह नहीं चलेगा कि फाइल नीचे अटकी थी या प्रक्रिया लंबित थी।

बैकलॉग भर्ती पर स्पेशल मिशन

सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के खाली पड़े आरक्षित पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान शुरू किया है। वर्षों से खाली पड़े बैकलॉग पद अब प्राथमिकता पर भरे जाएंगे।

आदेश में साफकहा गया है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक एक-एक बैकलॉग पद पर नियुक्ति नहीं हो जाती। यानी अब भर्ती फाइलों में नहीं, मैदान में दिखाई देगी। इससे हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी का मौका मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

इस आदेश की सबसे बड़ी बात जवाबदेही है। सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को सीधे अफसरों के करियर से जोड़ दिया है। यदि किसी विभाग में भर्ती लटकती है या अनावश्यक देरी होती है तो संबंधित अधिकारी की गोपनीय चरित्रावली में इसका उल्लेख किया जाएगा।

इसका असर प्रमोशन, पोस्टिंग और सेवा रिकॉर्ड पर पड़ सकता है। यानी अब भर्ती रोकना सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि करियर पर भारी पड़ने वाली गलती होगी।

वित्त विभाग पहले ही दे चुका मंजूरी

सरकारी भर्तियों में अक्सर बजट और वित्तीय मंजूरी सबसे बड़ा बहाना बनती रही है। लेकिन इस बार सरकार ने वह रास्ता भी बंद कर दिया है। वित्त विभाग पहले ही इस विशेष भर्ती अभियान को मंजूरी दे चुका है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि बैकलॉग पद भरने से अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं आएगा। इसलिए अब कोई विभाग पैसे या अनुमति की कमी का हवाला नहीं दे सकेगा। नियुक्ति देने वाले सभी सक्षम अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

अफसरों के लिए अल्टीमेटम

सरकार के इस फैसले से लंबे समय से भर्ती का इंतजार कर रहे हजारों युवाओं में नई उम्मीद जगी है। वहीं मंत्रालय से लेकर जिला स्तर तक के विभागों में हलचल तेज हो गई है। सालों से लंबित बैकलॉग भर्ती अब सरकार की प्राथमिकता बन चुकी है। माना जा रहा है कि इस फैसले से विभागों में खाली पद भरेंगे, कर्मचारियों की कमी दूर होगी और सरकारी कामकाज की रफ्तार भी बढ़ेगी। इस बार सरकार ने सिर्फआदेश नहीं दिया, बल्कि साफकर दिया है कि भर्ती टली तो जिम्मेदारी भी तय होगी।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26